डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित ▶ सोमवार 23.12.2024 से 29.12.2024 ▶ वर्ष 41 ▶ अंक-52 ▶ मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

मध्यप्रदेश में पाठ्यपुस्तक स्थाई समिति का गठन

भोपाल, प्रदेश में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल और माध्यमिक शिक्षा से जुड़ी पाठ्यपुस्तकों के पाठ्यक्रम तैयार करने के लिये स्थाई समिति का गठन किया गया है। इस संबंध में विभाग ने 13 दिसम्बर 2024 को अधिसूचना जारी की है। गठित समिति का अध्यक्ष डॉ. अलकेश चतुर्वेदी को बनाया गया है। अन्य सदस्यों में डॉ. भागीरथ कुमरावत, डॉ. बलराम परमार, डॉ. रविन्द्र सोहोनी, डॉ. अनुपम जैन, डॉ. प्रेमलता नीलम, श्री राजकुमार वैद्य, श्री शिरोमणी दुबे, डॉ. आशीष भारती, डॉ. विनय सिंह चौहान और श्री राजेश तिवारी को शामिल किया गया है।

मात्र 5 रुपये में

ग्रामीण कृषि पम्प उपभोक्ताओं को मिलेंगे नवीन विद्युत कनेक्शन

भोपाल, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अपने कार्य क्षेत्र में ग्रामीण कृषि उपभोक्ताओं को अब मात्र 5 रुपये में स्थाई कृषि पम्प कनेक्शन उपलब्ध कराने जा रही है। कंपनी ने कहा है कि कृषि पम्पों के कनेक्शनों की संख्या बढ़ाए जाने के लिए ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं, उन्हें सुविधानुसार आसानी से स्थाई कृषि पम्प कनेक्शन दिया जाना सुनिश्चित किया गया है। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी नियमों के अनुसार अब निम्न दाब (एलटी) पोल से उपभोक्ताओं द्वारा स्थापित होने वाली सर्विस लाइन में सुरक्षा नियमों की जांचकर 5 रुपये मात्र में ग्रामीण क्षेत्र में नवीन स्थाई कृषि कनेक्शन प्रदान किया जाएगा।

ग्वालियर में बना हिंदुस्तानी क्लासिकल संगीत का विश्व रिकॉर्ड

ग्वालियर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तानसेन संगीत समारोह 2024 के शुभारंभ और वृहद समवेत वाद्य यंत्र प्रस्तुति में हिन्दुस्तानी क्लासिकल बैंड द्वारा बनाए गए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सहभागी कलाकारों को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तानसेन संगीत समारोह और विश्व रिकॉर्ड की यह उपलब्धि संगीत सम्राट तानसेन, महारानी लक्ष्मीबाई, महादजी सिंधिया, स्व. राजमाता सिंधिया और जैन तीर्थंकर सहित भारतीय संस्कृति में विद्यमान संगीत की लंबी प्राचीन विरासत को जीवंत करने का माध्यम है। उल्लेखनीय है कि 546 कलाकारों द्वारा 9 वाद्ययंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति से हिन्दुस्तानी क्लासिकल संगीत का विश्व रिकॉर्ड बनाया गया।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रधानमंत्री की उपस्थिति में जयपुर में मध्यप्रदेश-राजस्थान और केंद्र सरकार के बीच हुआ अनुबंध

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से मध्यप्रदेश और राजस्थान बनेंगे "सुजलाम्-सुफलाम्" - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जयपुर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सौंपे गए "कालीसिंध नदी के कलश" के जल को पीकेसी कलश में मिलाते हुए

- मध्यप्रदेश और राजस्थान में खुलेंगे विकास के नए द्वार।
- प्रधानमंत्री की उपस्थिति में परियोजना के अनुबंध सहमति पत्र पर जयपुर में हुए हस्ताक्षर।
- 72 हजार करोड़ रुपये है पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की लागत।
- परियोजना से प्रदेश के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा।

जयपुर, राजस्थान के जयपुर में पार्वती कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का त्रिपक्षीय अनुबंध कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना मध्यप्रदेश और राजस्थान दोनों राज्यों को "सुजलाम्-सुफलाम्" बनाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश-राजस्थान और केंद्र सरकार के बीच जो अनुबंध सहमति पत्र हस्ताक्षरित हुआ है, वह सामान्य सहमति पत्र नहीं है, यह आने वाले कई दशकों तक याद रखा जाएगा। इसके लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार तथा जनता सभी बधाई के पात्र हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने चंबल नदी के जल से युक्त कलश के जल को एक बड़े कलश में समाहित किया। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए कालीसिंध नदी के जल से युक्त कलश के जल और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा दिए गए पार्वती नदी के जल से युक्त कलश के जल को भी उसी बड़े कलश में समाहित किया।

स्व. अटल जी ने नदियों को जोड़ने का दिया था विजन

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई ने नदियों को जोड़ने का विजन (सपना) रखा था और उसके लिए विशेष समिति भी बनाई गई थी। नदियों को जोड़ने की योजना तो बन गई पर उन्हें पूर्व सरकारों ने अनावश्यक रूप से उलझाए रखा। परंतु हमारी सरकार विवाद नहीं- संवाद की, विरोध नहीं- सहयोग की नीति पर कार्य करती है। इसी का परिणाम है कि अब पार्वती- कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर हुए हैं। परियोजना के अंतर्गत चंबल व उसकी सहायक नदियों पार्वती, कालीसिंध और चम्बल को आपस में जोड़ा जाएगा। इससे मध्यप्रदेश और राजस्थान में विकास के नए द्वार खुलेंगे।

प्रधानमंत्री ने दी विकास की अद्भुत सौगात

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश और राजस्थान के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से यह परियोजना 20 वर्षों के लम्बे इतंजार के बाद मूर्तरूप ले रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक युग के भागीरथ की तरह उन्होंने राजस्थान और मध्यप्रदेश को इस परियोजना के माध्यम से विकास की सौगात दी है। मध्यप्रदेश के चंबल और मालवा क्षेत्र के लिए यह एक अद्वितीय परियोजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश और राजस्थान की वर्तमान सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर दोनों प्रदेशों की जनता को उपहार देने स्वयं प्रधानमंत्री पधारे हैं।

परियोजना के लिए 90 प्रतिशत राशि केन्द्र से

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ रुपये है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ रुपये और राजस्थान 37 हजार करोड़ रुपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध, बैराज निर्मित किये जाएंगे।

इन जिलों को मिलेगा लाभ

परियोजना से श्योपुर, भिंड, मुरैना, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर सहित आगर, इंदौर, धार, उज्जैन, शाजापुर, राजगढ़, सीहोर इत्यादि संपूर्ण पश्चिमी मध्यप्रदेश में पीने के पानी और सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। परियोजना से प्रदेश के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर में सिंचाई होगी।

सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि नदियों को जोड़ने से बाढ़ और सूखे दोनों समस्याओं का समाधान संभव है। हम जल के महत्व को समझते हैं। पानी पारस है, जहां भी स्पर्श करता है, नई ऊर्जा एवं शक्ति को जन्म देता है। यह नदियों के पानी को जोड़ने का ही परिणाम है कि साबरमती नदी जो एकदम सूख गई थी, आज फिर से सजीव हो गई है। **पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना** से दोनों राज्यों को सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा दायित्व है आने वाली पीढ़ी को **"सुजलाम् सुफलाम्"** धरती माता देना, जल संसाधनों का संरक्षण करना और जल की हर बूंद का सार्थक इस्तेमाल करना हर नागरिक की जिम्मेवारी है। हम अपनी दिनचर्या में जल संरक्षण के लिए समय निकालें। **"एक पेड़ मां के नाम"** अभियान से जुड़ें। यह अपनी मां और धरती मां दोनों का सम्मान है।

नवीन शिक्षा नीति से मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों का होगा संपूर्ण व्यक्तित्व विकास - मुख्यमंत्री

ग्वालियर, ग्वालियर में अटल बिहारी वाजपेयी अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में जीवाजी विश्वविद्यालय के **"युवा संवाद"** कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की कई जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉर्ड मैकाले द्वारा लागू शिक्षा व्यवस्था के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों का सम्पूर्ण मनोविकास बाधित रहा। नई शिक्षा नीति ने ज्ञानार्जन की जिज्ञासा का समाधान करते हुए छात्र-छात्राओं को सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान किए हैं। विद्यार्थियों में जिज्ञासा के भाव को बनाए रखने और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों की नवीनतम जानकारियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही युवा संवाद कार्यक्रम आरंभ किया गया है।

खगोल विज्ञान पर युवाओं से किया संवाद

डॉ. यादव ने भू-गर्भीय गतिविधियों, खगोल विज्ञान, पृथ्वी की उत्पत्ति और जन-जीवन विषयों पर विद्यार्थियों से संवाद किया। संवाद के दौरान चंद्रमा और पृथ्वी के परस्पर संबंध, ग्रहों की महत्ता और उनके मानव जीवन पर प्रभाव, घड़ी के सिद्धांत और संत-समाज की परम्पराओं के संबंध में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि युवा प्रदेश और देश ही नहीं, विश्व का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव युवाओं के साथ संवाद ही नहीं, प्रदेश के एक-एक अंचल का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिये विभिन्न योजनाएं, औद्योगिकीकरण विकास के लिये कॉन्क्लेव और आंत्रप्रेन्योरशिप के लिये स्टायपेंड की व्यवस्था की है।

काल गणना का केंद्र है उज्जैन

मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान की दुनिया के एक अनूठे संग्रहालय का शुभारंभ हुआ है, ग्वालियर के लिए यह दिन विशेष है। सिंधिया राज्य की दूसरी राजधानी उज्जैन काल की गणना का केंद्र रहा है। विश्व में समय की गणना को सूर्य या चंद्रमा से जोड़ा गया है, जबकि भारत में काल की गणना का आधार नक्षत्र रहे हैं। यह समय की सूक्ष्मतम और सर्वाधिक सटीक गणना है। इस परम्परा के आधार पर ही पंचांग हमें सूर्य ग्रहण, चंद्र ग्रहण और अन्य खगोलीय घटनाओं की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराते हैं।

14 दिसम्बर

अब विशेष कार्ड से निकाली जा सकेगी पीएफ की राशि

● कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने सदस्यों को एटीएम

EPFO
Employees Provident Fund Organisation

के जरिये प्रोविडेंट फंड (पीएफ) का पैसा निकालने की सुविधा देने जा रहा है। इसके लिए ईपीएफओ की ओर से लाभार्थियों को एक डेडिकेटेड या विशेष कार्ड दिया जाएगा। केंद्रीय श्रम मंत्रालय की सचिव श्रीमती सुमिता डावरा ने बताया कि पीएफ संबंधी दावे के निपटान के बाद ही लाभार्थी सीधे एटीएम से पैसा निकाल सकेंगे। उल्लेखनीय है कि मौजूदा व्यवस्था के तहत ईपीएफओ के सदस्यों को अपने ऑनलाइन दावे के निपटान के लिए 7-10 दिन का इंतजार करना पड़ता है। इसके बाद यह पैसा सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेज दिया जाता है।

● कानपुर ऑर्डिनेंस पैराशूट फैक्ट्री (ओपीएफ) में खास तरह का पैराशूट तैयार किया जा रहा है। इससे लड़ाकू विमानों में गड़बड़ी होने पर पायलट जल्द स्वदेशी विमान से सुरक्षित उतर सकेंगे। इसके बाद भारत की अमेरिका और यूरोपीय देशों पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। ओपीएफ फैक्ट्री में यह सीट इजेक्शन पायलट पैराशूट तैयार किया जा रहा है। डीआरडीओ के एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेबलिशमेंट (एडीआरडीई) के इंजीनियरों ने पैराशूट की विशेष डिजाइन तैयार की है। एडीआरडीई के साथ मिलकर ओपीएफ कानपुर ने पैराशूट्स का निर्माण शुरू कर दिया है। विदेशों से आने वाले पैराशूट महंगे हैं। ओपीएफ में तैयार किए जा रहे पैराशूट की लागत इनसे दो गुना कम होगी। इसकी गुणवत्ता अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। पैराशूट का वजन 8 किलो व कीमत 8 लाख रुपये तक होगी। इस प्रोजेक्ट में महिला सशक्तिकरण के तहत महिलाएं भी काम कर रही हैं।

15 दिसम्बर

कोलैटरल फ्री कृषि ऋण की सीमा 2 लाख तक बढ़ी

● भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने किसानों के लिए कोलैटरल फ्री ऋण

की सीमा बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दी। किसानों को अब तक 1.60 लाख रुपये का कोलैटरल फ्री ऋण मिलता था। बढ़ी हुई सीमा एक जनवरी 2025 से लागू होगी। कृषि मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय बढ़ती लागत और किसानों के लिए लोन सुलभता में सुधार की जरूरत को देखते हुए लिया गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इससे 86 प्रतिशत से अधिक छोटे और सीमांत किसानों को लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि कोलैटरल फ्री ऋण वह ऋण होता है, जिसे बैंक बिना कुछ गिरवी रखे या बिना किसी जमानत के देते हैं।

● केंद्र सरकार ने आधार कार्ड मुफ्त में अपडेट करने की समय-सीमा 14 जून, 2025 तक बढ़ा दी है। इससे भारतीय नागरिक 'माई आधार' पोर्टल पर बिना खर्च के आधार कार्ड में दी हुई जानकारी अपडेट कर सकते हैं। पूर्व में यह समय-सीमा 14 दिसंबर को खत्म होने वाली थी। (यूआईडीएआई) ने प्रत्येक 10 वर्ष में आधार कार्ड की जानकारी अपडेट करने का आग्रह किया है।

16 दिसम्बर

रोमानिया और बुल्गारिया में भी शेंगेन वीजा पर हो सकेगी यात्रा

● नए वर्ष से शेंगेन वीजा पर रोमानिया और बुल्गारिया की यात्रा भी की जा सकेगी। यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रॉबर्टा मेट्सोला ने कहा कि रोमानिया और बुल्गारिया एक जनवरी, 2025 को यूरोपीय संघ की सीमा-मुक्त शेंगेन क्षेत्र में पूरी तरह से शामिल होने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रिया ने दोनों देशों के प्रवेश के खिलाफ वीटो वापस लेने का फैसला किया था। शेंगेन वीजा के जरिए गैर-यूरोपीय लोग शेंगेन क्षेत्र के हिस्से वाले देशों में सैर कर सकते हैं। इस एक वीजा के जरिए पर्यटक अलग-अलग यूरोपीय देशों में घूम सकते हैं, और उनको भिन्न-भिन्न देशों की सैर के लिए अलग-अलग वीजा की जरूरत नहीं होती है।

● भारत में 5जी फोन की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इससे भारत ने पिछले 12 महीने में 4जी से 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट में चीन के साथ अंतर कम कर लिया है। देश के कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी की संख्या पिछले वर्ष जुलाई, अगस्त और सितंबर में 57 प्रतिशत थी, जो इस वर्ष के जुलाई, अगस्त और सितंबर में बढ़कर 83.4 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान चीन का 5जी फोन शिपमेंट 89.5 प्रतिशत से बढ़कर 95.6 प्रतिशत हो गया। जुलाई से सितंबर के बीच 5जी स्मार्टफोन का शिपमेंट 3.84 करोड़ पहुंच गया है।

17 दिसम्बर

एनसीईआरटी की कक्षा नौवीं से 12वीं तक की किताबें होंगी सस्ती

● राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अगले शैक्षणिक

एन सी ई आर टी
NCERT

वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा 9वीं से 12वीं तक की किताबों की कीमतों में 20 प्रतिशत की कटौती की है। एनसीईआरटी के निदेशक श्री दिनेश प्रसाद सकलानी ने एक कार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा करते हुए कहा कि पहली बार किताबों की कीमतों में भारी कमी की गई है। इस वर्ष एनसीईआरटी कागज की खरीद में बहुत अधिक दक्षता लाई है और नवीनतम प्रिंटिंग मशीनों के साथ प्रिंटर भी शामिल किए हैं। एनसीईआरटी ने देश के छात्रों को इसका लाभ देने का फैसला किया है।

● सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी आर. राधाकृष्णन कमेटी ने एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के पुनर्गठन की सिफारिश की है। कमेटी ने कहा है कि छात्रों के सत्यापन के लिए एयरपोर्ट पर इस्तेमाल किए जा रहे डिजी यात्रा सिस्टम की तर्ज पर डिजी एग्जाम सिस्टम विकसित किया जाए। वहीं टेस्टिंग सेंटर सिर्फ सरकारी स्कूल-कॉलेज में बनाए जाएं। केंद्र सरकार ने यह रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी है और सभी सिफारिशें अक्षरशः लागू करने का भरोसा दिया है। शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि एनटीए उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए परीक्षाएं जैसे नीट, जेईई, सीयूईटी (करीब 15 परीक्षाएं) ही कराएगी। भर्ती परीक्षाएं नहीं कराएगी। श्री प्रधान ने कहा कि नीट को छोड़ सभी टेस्ट कम्प्यूटर आधारित होंगे। नीट परीक्षा के आयोजन पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को फैसला लेना है कि वह पेन-पेपर टेस्ट (पीपीटी) मोड में ओएमआर शीट पर होगा या कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी)। कमेटी ने दूरस्थ तथा कम आबादी वाले इलाकों के लिए मोबाइल टेस्टिंग सेंटर बनाने का सुझाव दिया है।

18 दिसम्बर

एनसीईआरटी चार और कक्षाओं की नई पाठ्यपुस्तकें लाएगी

● राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) अगले शैक्षणिक सत्र 2025-26 में चार और कक्षाओं के लिए नई पाठ्यपुस्तकें लाएगा। यह पाठ्यपुस्तकें चौथी, पांचवीं, सातवीं और आठवीं कक्षाओं के लिए होंगी। इसके साथ ही नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं व बारहवीं कक्षाओं की नई पाठ्यपुस्तकें शैक्षणिक सत्र 2026-27 में आएंगी। फिलहाल एनसीईआरटी इसके अतिरिक्त अब तक सात कक्षाओं की नई पाठ्यपुस्तकें ला चुका है। इसके साथ ही एनसीईआरटी ने स्कूली छात्रों तक इन्हें समय से पहुंचाने की भी योजना बनाई है। जिसमें यह पाठ्यपुस्तकें दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंच सकें।

● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास ने वर्ष 2025 से स्नातक प्रवेश के लिए ललित कला और संस्कृति कोटा शुरू करने की योजना की घोषणा की। 'ललित कला और संस्कृति उत्कृष्टता' कोटा, जेईई एडवांस 2025 परीक्षा के माध्यम से आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध होगा। कोटा का उद्देश्य संगीत, नृत्य, नाटक और अन्य सांस्कृतिक विषयों जैसे क्षेत्रों में असाधारण प्रतिभा वाले छात्रों को पहचानना है। चयनित उम्मीदवार जेईई एडवांस्ड 2025 में अपने प्रदर्शन और ललित कला और सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी उपलब्धियों के आधार पर स्नातक कार्यक्रमों में सीटें सुरक्षित करेंगे।

19 दिसम्बर

रूस ने तैयार की कैंसर की वैक्सीन

● रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने घोषणा की है कि उसने कैंसर की वैक्सीन विकसित कर ली है। अगले वर्ष की शुरुआत में यह वैक्सीन रूसी नागरिकों को मुफ्त में लगाई जाएगी। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के महानिदेशक एंड्री काप्रिन ने इस बात की

जानकारी दी। वैक्सीन के प्री-क्लीनिकल ट्रायल किया गया है। इस दौरान पता चला है कि यह वैक्सीन ट्यूमर के विकास को दबा देती है।

● चीन ने अपने दो अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा नौ घंटे की स्पेसवॉक पूरी करने के बाद दुनिया के सबसे लंबे स्पेसवॉक का अमेरिका द्वारा बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया है। चीन के अनुसार, तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर सवार चीनी अंतरिक्ष यात्री कै जुझे और सोंग लिंगडोंग ने नौ घंटे की एक्स्ट्राव्हीक्युलर एक्टिविटी पूरी की, जिसे स्पेसवॉक के रूप में भी जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के अनुसार, इससे पहले यह रिकॉर्ड अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों जेम्स वॉस और सुज़ैन हेल्म्स के नाम था। उन्होंने 2001 को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक मिशन के दौरान अंतरिक्ष शटल डिस्कवरी के बाहर आठ घंटे और 56 मिनट बिताए थे।

● अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एच-1 बी वीज़ा को लेकर बड़ी घोषणा की है। राष्ट्रपति बाइडेन की नई घोषणा से अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को सबसे अधिक फायदा मिलने की संभावना है। अमेरिका में अभी 2.70 लाख भारतीय छात्र हैं। यह संख्या अमेरिका में पढ़ने वाले किसी भी प्रवासी समूह के छात्रों में सर्वाधिक है। उल्लेखनीय है कि एच-1बी वीज़ा प्रवासी पेशेवरों को जारी किया जाता है। एच-1 बी वीज़ा तीन वर्ष के लिए जारी होता है। जिसकी अधिकतम अवधि छह वर्ष के लिए होती है। 6 साल पूर्ण करने के बाद एच-1 बी वीज़ा धारक अमेरिका में ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकता है।

20 दिसम्बर

पहली मानवरहित गगनयान उड़ान के लिए इसरो ने शुरू की एचएलवीएम 3 की असेंबली

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने प्रथम गगनयान मिशन के लिए ह्यूमन रेटेड लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (एचएलवीएम 3) को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। मानव यात्रियों के लिए निर्मित किए गए इस एचएलवीएम में फिलहाल कोई भी इंसान नहीं जाएगा और इसे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लान्च किया जाएगा। इसरो के अनुसार एचएलवीएम-3 की ह्यूमन रेटिंग पूरी हो गई है और सभी सिस्टम को बेहतर विश्वसनीयता के लिए जांचा जा चुका है। इसके साथ ही जमीनी और हवाई परीक्षण से इंसानी सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप इनकी क्षमता सुनिश्चित की जा चुकी है। कक्षा में माड्यूल लगने से पहले क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) किसी भी चरण में मानव दल को अलग होने की सुविधा देता है।

● अमेरिका के वर्जीनिया में दुनिया का पहला ग्रिड स्केल न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाया जाएगा। कॉमनवेल्थ फ्यूजन सिस्टम (सीएफएस) नाम का स्टार्टअप इस प्लांट का निर्माण वर्ष 2030 तक पूरा करने की योजना बना रहा है। प्लांट शुरू होने पर, 400 मेगावॉट बिजली का उत्पादन करने में सक्षम होगा, जो लगभग 1.5 लाख घरों को बिजली देने के लिए पर्याप्त है। इस न्यूक्लियर पावर प्लांट के जरिए पहली बार ग्रिड स्केल पर फ्यूजन पावर उपलब्ध कराई जाएगी।

● केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पड़ोसी देशों से आने वाले लोगों के कारण उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर मणिपुर में 'संरक्षित क्षेत्र परमिट' व्यवस्था फिर से लागू कर दी है। इस परमिट को पुनः लागू करने के बाद, मणिपुर आने वाले विदेशियों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं से रू-ब-रू हुए मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल में जनकल्याण पर्व अंतर्गत आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में 45 संस्थानों के विद्यार्थियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज और देश की दशा और दिशा बदलने में ऊर्जावान युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। युवाओं के मजबूत हौसले, इच्छाशक्ति, लगन और परिश्रम के बल पर ही देश सफलता की ऊंचाइयों को छूता है। युवा शक्ति भारत की सच्ची ताकत है और भारत ही विश्व में सबसे युवा देश है। दुनिया के विभिन्न देशों में भारतीय युवा सफलता प्राप्त कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में युवाओं को शिक्षा के साथ सभी सेक्टरों में रोज़गार के अवसर दिये जाने का काम वृहद स्तर पर हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने स्व-रोज़गार केन्द्रित युवा संवाद कार्यक्रम में कहा कि किसी भी देश और प्रदेश के भविष्य युवा ही होते है। मुख्यमंत्री ने युवाओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहाकि युवाओं की आंखों में सपने, भुजाओं में ताकत और पैरों में गति होती है। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभा और उनके कौशल को प्रदेश के विकास में पूरी तरह से उपयोग करने के साथ युवाओं के सपनों को साकार करने के लिये अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं से युवा शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के साथ राज्य को समृद्ध करने का अभियान भी चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार शक्तिशाली बन रहा है। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा की चिंता करने की दृष्टि से आज अमेरिका और इजराइल के बाद विश्व की तीसरी शक्ति बन गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिये विभिन्न पहल की हैं। लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी देश मातृ शक्ति के सशक्तिकरण से ही आगे बढ़ता है।

वर्ष 41, अंक 52 23.12.2024 से 29.12.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से खुलेंगे विकास के नए द्वार

मध्यप्रदेश और राजस्थान को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने वाली पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिये त्रि-स्तरीय अनुबंध प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरा हुआ। मध्यप्रदेश में पार्वती कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान के स्वप्न को साकार करने का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस योजना के क्रियान्वयन में आने वाली सभी बाधाओं को दूर कर दिया है। इसके लिये मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच समझौता हुआ और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को मूर्त रूप दिया गया। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष प्रयास से संभव हुआ। इस परियोजना में मालवा और चंबल क्षेत्र के 11 जिलों के 2012 ग्रामों की तस्वीर और तकदीर बदल जाएगी। यह परियोजना मध्यप्रदेश के गुना, शिवपुरी, सीहोर, देवास, राजगढ़, उज्जैन, आगर-मालवा, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर एवं मुरैना के किसानों को सिंचाई के लिये भरपूर पानी और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इससे किसानों के जीवन में खुशहाली आने के साथ उनकी फसलें लहलहा उठेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने वाली पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिये त्रि-स्तरीय अनुबंध प्रधानमंत्री श्री मोदी की मौजूदगी में 17 दिसम्बर को जयपुर में हुआ। यह अवसर मध्यप्रदेश और राजस्थान के लिए ऐतिहासिक था। मध्यप्रदेश और राजस्थान को दी गई 'पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना' की अनूठी सौगात दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा और विकास के नये द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आयेगी। प्रदेश का मालवा अंचल औषधीय फसलों के साथ अन्य फसलों के उत्पादन में अग्रणी रहा है। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा। यह परियोजना दोनों राज्यों में विकास के नए द्वार खोलेगी। इस परियोजना से न सिर्फ सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा अपितु उद्योगों और पर्यटन का विकास होने से रोज़गार के नए अवसर सृजित होंगे। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ रुपये है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ रुपये और राजस्थान 37 हजार करोड़ रुपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। इस परियोजना से मध्यप्रदेश में लगभग 6 लाख 13 हजार हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी। इससे 40 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घनमीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध, बैराज निर्मित किये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि प्रदेश में लगातार सिंचाई का रकबा बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। वर्तमान में 50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। हमारा संकल्प इसे बढ़ाकर 1 करोड़ हेक्टेयर करने का है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना और केन-बेतवा लिंक परियोजना से हम अपने लक्ष्य के करीब पहुंचेंगे। इसके साथ ही प्रदेश में अन्य बड़ी सिंचाई परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। हमने किसानों से जो वादा किया है, वह जल्द मूर्तरूप लेगा और हमारा अन्नदाता किसान आत्मनिर्भर बनकर प्रदेश और देश के विकास को और अधिक गति प्रदान करेगा।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' बिल को मंजूरी मिलने के बाद बदल जायेगा राज्यों के चुनावों का समीकरण

'वन नेशन-वन इलेक्शन' बिल लोकसभा में पेश कर दिया गया है। केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर, पुडुचेरी और दिल्ली केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव एक साथ कराने के लिए विधेयक को मंजूरी दी थी। संशोधन के प्रावधानों से संकेत मिलता है कि एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया 2034 तक नहीं होगी। विशेषज्ञों के अनुसार यदि लोकसभा या किसी राज्य की विधानसभा अपने पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति से पहले भंग हो जाती है तो उस विधानसभा के शेष पांच वर्ष के कार्यकाल को पूरा करने के लिए ही मध्यावधि चुनाव कराए जाएंगे। विधेयक में अनुच्छेद 82(ए) (लोकसभा और सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव) जोड़ने तथा अनुच्छेद 83 (संसद के सदनों की अवधि), 172 और 327 (विधानसभाओं के चुनावों के संबंध में प्रावधान करने की संसद की शक्ति) में संशोधन करने का सुझाव दिया गया है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहला लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए और दूसरा आम चुनावों के 100 दिनों के भीतर होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों के लिए. सभी चुनावों के लिए एक ही मतदाता सूची होगी। राज्य चुनाव अधिकारियों की सलाह से भारत के चुनाव आयोग द्वारा मतदाता पहचान पत्र तैयार किए जाएंगे। केंद्र सरकार पूरे देश में विस्तृत चर्चा शुरू करेगी। कोविंद समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए एक कार्यान्वयन समूह बनाया जाएगा। जाहिर है कि कोविंद समिति के अनुसार इस कदम को अधिसूचित करने के लिए एक 'नियत तिथि' तय की जानी चाहिए। नियत तिथि के बाद राज्य चुनावों द्वारा गठित सभी विधानसभाएं केवल 2029 में होने वाले आगामी आम चुनावों तक की अवधि के लिए होंगी। इसका मतलब है कि लोकसभा चुनावों के बाद की तारीख तय की जाएगी। उस तिथि के बाद चुनाव वाले राज्यों में, आम चुनावों के समानांतर उनका कार्यकाल कम समय में समाप्त कर दिया जाएगा।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

मध्यप्रदेश सरकार का 'जनकल्याण पर्व' और 'जनकल्याण अभियान'

मध्यप्रदेश को सशक्त, समृद्ध और देश में विकसित प्रांत बनाने का संकल्प

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के संकल्प में मध्यप्रदेश की सहभागिता सुनिश्चित करने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार ने 11 दिसम्बर गीता जयंती से दो महत्वपूर्ण अभियान आरंभ किये हैं। एक 'जनकल्याण पर्व' जो 26 दिसम्बर तक चलेगा और दूसरा 'जनकल्याण अभियान' आरंभ किया है, जो 26 जनवरी गणतंत्र दिवस तक चलेगा। इन दोनों अभियानों का उद्देश्य जन सामान्य को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार ने भारत के विकसित प्रांतों में अग्रणी रहने का संकल्प लिया। इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार ने योजनाएं भी बनाई हैं और उन्हें जन-जन तक पहुंचाने का अभियान भी छेड़ा है। इसके लिये दो अभियान आरंभ किये हैं एक 'जनकल्याण पर्व' और दूसरा 'मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान'। दोनों का स्वरूप भिन्न है, और मनाये जाने की अवधि भी अलग है, लेकिन दोनों का उद्देश्य एक ही है। वह है मध्यप्रदेश और केन्द्र सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन सामान्य तक पहुंचाना, ताकि वे अधिक से अधिक लाभ उठाकर स्वयं को समृद्ध और सक्षम बना सकें। यदि समाज समृद्ध होगा तो प्रदेश भी सक्षम होगा। इन दोनों अभियानों का उद्देश्य यही है।

सामान्यतः जनकल्याण की योजनाएं हर सरकार बनाती है। लेकिन उनका लाभ सभी जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाता। इसका कारण जन सामान्य में उन योजनाओं की जानकारी का अभाव होता है। यह भी देखा गया है कि यदि किसी को योजना की जानकारी हो जाये, तब भी योजना से जुड़ने का तरीका पता नहीं होता है। इसीलिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन के वे परिणाम नहीं आ पाते जितनी अपेक्षा होती है। इसीलिये मध्यप्रदेश सरकार ने यह दोनों अभियान आरंभ किये हैं। पहला 'जनकल्याण पर्व' जो 11 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक कुल सोलह दिन चलेगा। दूसरा 'मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान' 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक कुल 47 दिन चलेगा। इन दोनों अभियान के आरंभ की तिथि का चयन 11 दिसम्बर गीता जयंती का पवित्र पर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपना पदभार संभालते समय विकास के साथ विरासत का मंत्र दिया था। उनका मानना है कि हम आधुनिक दुनिया की स्पर्धा में अग्रणी हों पर अपनी विरासत को अवश्य सहेज कर चलें। श्रीमद्भगवत गीता व्यक्तित्व विकास, समाज विकास और राष्ट्र निर्माण के सूत्रों का अद्भुत ग्रंथ है इसीलिए संसार के अधिकांश देशों में गीता का अपनी भाषा में अनुवाद हुआ है। मध्यप्रदेश सरकार ने अपने अभियान आरंभ करने के लिये इस तिथि का चयन इसलिये किया है कि योजनाओं के लक्ष्य को पूरा करने की संकल्प शक्ति आये।

जनकल्याण अभियान

जनकल्याण अभियान का उद्देश्य जन सामान्य को सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और योजनाओं का लाभ उठाने के लिये समाज को प्रेरित करना है, ताकि सभी जरूरतमंद और पात्र नागरिकों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश के सभी जिला, तहसील, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर शासन की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। पात्र व्यक्तियों को उन योजनाओं से जोड़ने के लिये आवेदन पूर्ति की औपचारिकता भी शिविर में ही पूरी की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत लगाये गये शिविरों में क्षेत्र के प्रबुद्ध एवं वरिष्ठ नागरिकों को भी जोड़ा जा रहा है। इन शिविरों में शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ नौकरी, शिक्षा और सामाजिक कार्यों पर चर्चा भी की जाती है। शिविर में विशेष रूप से गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकास मंत्र में गांव, गरीब, किसान, युवा और महिला पहली प्राथमिकता पर हैं। इसलिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिविर में इन वर्गों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम करने के निर्देश दिये हैं। इस अभियान के अंतर्गत वंचित पात्र हितग्राहियों का घर-घर सर्वे किया जा रहा है और यह निश्चित किया जा रहा है कि केन्द्र और राज्य सरकार की किसी योजना से संबंधित कोई पात्र हितग्राही वंचित न रह जाये। यह सर्वे पारदर्शी रहे इसके लिये मुख्यमंत्री डेशबोर्ड पर मॉनीटरिंग भी की जा रही है। इससे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अतिरिक्त कलेक्टर, तहसीलदार और संबंधित विभाग के सक्षम अधिकारी प्रतिदिन मानिटरिंग करते हैं। राज्य सरकार ने इन शिविरों के माध्यम से 34 हितग्राही मूलक, 11 लक्ष्य आधारित योजनाओं के अतिरिक्त 63 अन्य सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इन योजनाओं में दिव्यांग छात्रवृत्ति, विभिन्न पेंशन योजनाओं, छह वर्ष से अधिक आयु के बहुविकलांग और मानसिक रूप से अविकसित नि:शक्तजन के लिए सहायता अनुदान योजना, नि:शक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान अभिभावक पेंशन व योजना, मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना, मुख्यमंत्री निशक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मध्यप्रदेश नि:शक्त छात्र-छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा में दी जाने वाली फीस, निर्वाह भत्ता, परिवहन भत्ता योजना, शत-प्रतिशत श्रवण एवं दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए आवास सहायता योजना, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, निर्माण श्रमिकों का पंजीयन, मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत भवन संनिर्माण श्रमिकों का पंजीयन, प्रसूति सहायता योजना का लाभ प्रदान करना, विवाह सहायता योजना का लाभ प्रदान करना, मृत्यु की दशा में अनुग्रह सहायता योजना का लाभ प्रदान करना, निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटना की स्थिति में स्थायी अपंगता होने पर सहायता प्रदान करना, निर्माण स्थल पर कार्य के दौरान अपंजीकृत श्रमिक की मृत्यु की दशा में अंत्येष्टि एवं अनुग्रह राशि योजना आदि शामिल हैं।

केन्द्र और राज्य सरकार की हितग्राहीमूलक और लक्ष्य आधारित इन सभी योजनाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय के सभी वार्डों में शिविर लगाए जा रहे हैं। चयनित पात्र हितग्राहियों को शिविर में ही योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश के सभी कलेक्टरों ने अपने जिलों के अंतर्गत सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले शिविर के प्रभारी और सहयोगी समूह का गठन किया है। शिविरों की आयोजन तिथि, स्थान और समय निर्धारण कर उसका प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है ताकि अधिकतम लोग जुड़ सकें। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये प्रभारी मंत्री, स्थानीय विधायक से लेकर पंचायत के पंच, सरपंच एवं सभी पदाधिकारी अपने क्षेत्र के जरूरतमंदों को शिविर में आने के लिये प्रोत्साहित कर रहे हैं। अब तक प्राप्त प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार इस अभियान का सर्वाधिक लाभ राजस्व प्रकरणों के निपटारे में मिल रहा है। इसके साथ वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित योजनाओं का क्रियान्वयन तेज हुआ है। इसमें केंद्र सरकार का आयुष्मान कार्ड भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त इस अभियान के अंतर्गत इन शिविरों में जन सामान्य की शिकायतों का निराकरण भी किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत नगरों और ग्रामीण क्षेत्र में लगने वाले शिविरों में प्रशासनिक अमले के अतिरिक्त क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी सक्रिय हैं। सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के समस्त वार्डों में लगने वाले शिविरों के स्थान और तिथि का रोस्टर बनाकर प्रचारित किया जा रहा है। शिविरों की मॉनिटरिंग के लिये नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक पंचायत क्लस्टर पर एक सेक्टर अधिकारी नियुक्ति किये गए हैं।

जनकल्याण पर्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर 11 दिसम्बर से आरंभ हुआ दूसरा अभियान जनकल्याण पर्व है। यह 11 दिसम्बर से आरंभ होकर 26 दिसम्बर, 2024 तक चलेगा। 46 दिवसीय जनकल्याण अभियान और इस सोलह दिवसीय आयोजन में एक अंतर है। पहले अभियान में हितग्राहियों को जोड़ने का काम हुआ। जबकि पर्व के अंतर्गत हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने के साथ डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में इस एक वर्ष में राज्य सरकार के जन हितैषी कार्यों एवं योजनाओं की उपलब्धि से जन सामान्य को अवगत कराने का काम भी हुआ। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। इस पर्व का शुभारंभ लाड़ली बहना योजना की राशि वितरण से हुआ। साथ ही इस अवधि में विकास की नई योजनाओं से संबंधित कार्यों के लिये भूमिपूजन भी हुये इनमें अलीराजपुर की सोंडवा माइक्रो सिंचाई योजना का भूमिपूजन भी हुआ। इसके अतिरिक्त विभिन्न आयोजनों में सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियों पर केन्द्रित प्रदर्शनियां लगीं। इस पर्व अवधि की एक विशेषता और थी। इस पर्व के दौरान यदि हितग्राही सामने आये तो उनसे औपचारिकताएं पूरी की गईं।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

संशोधित विज्ञापन
समूह-5 के अंतर्गत नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य समकक्ष पदों हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा 2024 के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं

आवेदन पत्र भरने की तिथि 30.12.2024 से 13.01.2025 तक | **ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी** | **आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 30.12.2024 से 18.01.2025 तक**

संभावित परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
15 फरवरी 2025 से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 07:00 से प्रात: 08:00 बजे तक	प्रात: 09:00 से 11:00 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 01:00 से दोपहर 02:00 बजे तक	दोपहर 03:00 से 05:00 बजे तक (02 घंटे)

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा के नियम, विभागवार रिक्त पदों की आरक्षण तालिकाएं एवं परीक्षा संचालन नियम से संबंधित विस्तृत संशोधित नियमपुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **संभावित परीक्षा शहर-** बालाघाट, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रतलाम, रीवा, सागर, सतना उज्जैन, खण्डवा, सीधी एवं नीमच
4. **परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 500/- प्रति प्रश्न पत्र
केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए	रु. 250/- प्रति प्रश्न पत्र
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-

विशेष निर्देश :

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यपित (Verify) होने पर ही ई आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई - आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक हैं वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं sun glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट : मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 44 /2024

संचालक
मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011
Fax : +91-0755-2550498, Website : www.esb.mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/117908/2024 R-50368/2024

प्रदेश में पाठ्य-पुस्तकों का प्रकाशन समय पर हो

भोपाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि प्रदेश में वर्ष 2025-26 शैक्षणिक सत्र में स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को पाठ्य-पुस्तक शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही आसानी से सुलभ हो। मंत्री श्री सिंह मंत्रालय में मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पाठ्य-पुस्तकों के वितरण व्यवस्था की जानकारी ली।

बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को उनकी क्षेत्रीय बोलियों में पढ़ाये जाने की अनुसंशा की गई है। इसके अनुरूप प्रदेश में पाठ्य-पुस्तक निगम द्वारा बहु भाषा में जनजातीय और क्षेत्रीय बोलियों पर कहानी की किताबों का प्रकाशन किया जा रहा है। बैठक में पाठ्यक्रम तैयार करने और शिक्षकों की प्रशिक्षण व्यवस्था पर भी चर्चा की गई।

छठवें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री होंगे शामिल

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव महू में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय के 6वें दीक्षांत समारोह में 20 दिसम्बर को शामिल होंगे। मुख्यमंत्री भारतीय संविधान के शिल्पकार युग पुरुष डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर को नमन करेंगे। साथ ही दीक्षांत समारोह में कुलगुरु, गुरुजन, अन्वेषकगण और विषय विशेषज्ञ का अभिवादन भी करेंगे। दीक्षांत समारोह में संस्थान के 16 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की जायेगी। अम्डेकर विश्वविद्यालय के द्वारा विगत 5 वर्षों में 100 से अधिक शोधार्थियों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। दीक्षांत समारोह का अर्थ है- शिक्षण काल की पूर्णता: सेवा काल का आरंभ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में खजराना भक्त निवास भवन का भी उद्घाटन करेंगे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
ई-मेल:- eervskvv@gmail.com फोन: 0751-2467680

क्र./जनसं/का.यं./2024/3176 दिनांक : 17-12-2024

प्रेस विज्ञप्ति

निविदा सूचना क्रमांक/3169 दिनांक 17.12.2024 रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अंतर्गत सिविल कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा (2024_RVSKV_388884_1) एवं विद्युत कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा (2024_RVSKV_388885_1) आमंत्रित की गई थी। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि 01.01.2025 तक है विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण पोर्टल https:www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते है।

कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

R-50361/2024

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल
क्र. 1884/2024 शहडोल, दिनांक : 17.12.2024

विज्ञापन सूचना

IT हार्डवेयर पार्ट्स क्रय किये जाने संबंधी निविदा MP E-Tender पोर्टल पर निविदा क्रमांक 2024_PSNSU_387502_1 प्रकाशित की गई है।

आर-50360/2024 कुलसचिव

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग बालाघाट, पुलिस लाइन बालाघाट (म.प्र.) - 481001
Email - mpphcbalaghat01@gmail.com

निविदा प्रेस-विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग बालाघाट अंतर्गत कटंगी, बिरसा एवं लालबर्रा जिला बालाघाट में, 15वें वित्त आयोग योजना अंतर्गत स्वीकृत 50 बिस्तरीय अस्पताल भवन का निर्माण कार्य, हेतु **निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 24/2024-25** (ऑनलाइन निविदा क्रमांक 2024_MPPHC_388278_1, 2024_MPPHC_388280_1, 2024_MPPHC_388281_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 04.01.2025 तक ऑनलाइन खरीद कर सायं 17:00 बजे तक ऑनलाइन सब्मिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

नोट - निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि कार्य क्षेत्र का स्वयं वास्तविक निरीक्षण कर अग्रिम कार्यवाही करें।

म.प्र. माध्यम/117837/2024 R-50364/2024 परियोजना यंत्री

कार्यालय प्रबंध संचालक
म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि.
(मध्यप्रदेश शासन का उपक्रम)
पंजीकृत कार्यालय - निष्ठा परिसर, गोविंदपुरा, भोपाल - 462023
सीआईएन - U40109MP2002SGC015119, फोन : 0755-2602033-34
फैक्स : 2589821, वेबसाइट : https://portal.mpcz.in
मानव संसाधन विभाग (ISO 9001:2015 प्रमाणित)

क्रमांक/प्र.सं./म.क्षे./भर्ती/2024/7868 भोपाल, दिनांक : 17.12.2024

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना अंतर्गत छात्र प्रशिक्षणार्थियों हेतु एक वर्षीय On-the-Job-Training (OJT) प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि में विस्तार।

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमि. भोपाल, द्वारा विज्ञापन क्र. प्र.सं./म.क्षे./भर्ती/2024/7357 दिनांक 29.11.2024 के माध्यम से म.प्र. के स्थानीय निवासी, आई.टी.आई. (इंजीनियरिंग अथवा नॉन- इंजीनियरिंग)/डिप्लोमा (इंजीनियरिंग)/स्नातक (इंजीनियरिंग अथवा नॉन- इंजीनियरिंग) उत्तीर्ण अभ्यार्थियों से मध्यप्रदेश शासन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा जारी आदेश क्र. 1232/1234356/2023/42-2 दिनांक 19.05.2023 के अंतर्गत लागू **"मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना"** के तहत उद्योग उन्मुख एक वर्षीय On-the-Job-Training (OJT) प्राप्त करने हेतु इच्छुक योग्य अभ्यार्थियों से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **दि. 31.12.2024 तक** विस्तारित की जाती है।

उक्त के अतिरिक्त समस्त दिशा-निर्देश पूर्व में जारी विज्ञापन अनुसार यथावत रहेंगे।

म.प्र. माध्यम/117835/2024 मुख्य महाप्रबंधक (मासं एवं प्रशा)

R-50363/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER No. 1212 (PMGSY-Bridge-BW)

No./15342/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 19.12.2024

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** detailed below;

• **Name of Work –** Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Agar	1	5961011.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from 20.12.2024 (17:30 hrs.) and last date for online bid submission is 10.01.2025 (17:00 hrs.).
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/117886/2024 (Tender)

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग करें।

R-50366/2024

OFFICE OF CHIEF ENGINEER (EHT-MAINT.)
M.P. POWER TRANSMISSION CO. LTD.
Block. No. 3, 3rd Floor, Shakti Bhawan, Jabalpur - 482008

TENDER NOTICE

An online tender is invited for the Modification/Shifting of various 400/220/132kV EHV lines, Restoration of supply in case of tower collapse/damage, Replacement of towers, Stub Repairing, Resagging of Conductors, Replacement of Disc Insulator etc. in the East Zone of MP on rate contract basis vide NIT no. CE(EHT-Maint.)/E-tender/MT-265/1247 dtd: 19.12.2024 (**ID:_2023_MPPTC_389361_1**).

Tender fee - 5900/- and due date of opening of bid - 06.02.2025 For Tender notice and details please visit **www.mptenders.gov.in** एवं **www.mptransco.in**

M.P. Madhyam/117894/2024 CHIEF ENGINEER (EHT-MAINT.)

// विद्युत की बचत कीजिये // R-50367/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री संभाग क्रमांक 01, कार्यालय भवन 1558 गोरखपुर थाने के पीछे, ऋषि कॉटेज, रतन कॉलोनी कटंगा जबलपुर (म.प्र.), पिनकोड-482002, फोन नं. : 0761-3585341
E-mail : mpphcjabalpur@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्रमांक 01 के अंतर्गत सी.एम. राईज़ योजना अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तामियां जिला-छिंदवाड़ा में उच्चदाब 1X200 KVA का बाह्य विद्युतीकरण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-वर्ष 2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2024_MPPHC_389324_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 02.01.2025 तक** खरीद कर सायं 17.00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/117868/2024 R-50365/2024 परियोजना यंत्री

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री संभाग क्रमांक-01, कार्यालय भवन 1558 गोरखपुर थाने के पीछे ऋषि काटेज रतन कालोनी कटंगा, जबलपुर (म.प्र.) पिनकोड-482002, फोन नं. - 0761-3585341
E-mail : mpphcjabalpur@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्रमांक-01 के अंतर्गत कंट्रोल रूम का निर्माण कार्य, पांढुर्ना हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-11 वर्ष 2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2024_MPPHC_389764_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 06.01.2025 तक खरीद कर सायं 17:00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/117911/2024 R-50369/2024

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र, सागर

फोन नं. : 07582-220840, ई-मेल आईडी : cepwdsagar@nic.in

एनआईटी नं.-09/2024-25 /केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण

सागर, दिनांक : 16.12.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	रिमार्क
1.	2024_PWDRB_388739_1	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 1 सागर के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 10.60 कि.मी. अनु. लागत 933.11 लाख 1. भैसा से पथरिया तिगड्डा मार्ग का निर्माण कार्य लं. 4.60 कि.मी.। अनुमानित लागत 468.39 लाख 2. ग्राम घाटसेमरा से किल्लाई मार्ग का निर्माण कार्य लं. 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। अनुमानित लागत 256.92 लाख 3. कांचरी से हबला मेन मार्ग का निर्माण कार्य लं. 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। अनुमानित लागत 207.79 लाख	सागर	933.11	933110	20000	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
2.	2024_PWDRB_388740_1	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 1 सागर के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 10.50 कि.मी.। अनु. लागत 873.35 लाख 1. ग्राम तेन्दुडाबर से सेमरा गोपालमन मार्ग का निर्माण कार्य लं. 5.50 कि.मी.। अनुमानित लागत 468.39 लाख 2. ग्राम बांसा से सरखड़ी मार्ग का निर्माण कार्य लं. 5.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। अनुमानित लागत 256.92 लाख	सागर	873.35	873350	20000	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
3.	2024_PWDRB_388741_1	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 1 सागर के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 4.90 कि.मी.। अनु. लागत 533.93 लाख 1. केवलारी से सहजपुरी बुजुर्ग मार्ग का निर्माण कार्य लं. 2.50 कि.मी.। अनुमानित लागत 257.57 लाख 2. सहजपुरी बुजुर्ग से सहजपुरी खुर्द मार्ग लं. 2.40 कि.मी. का निर्माण कार्य। अनुमानित लागत 276.36 लाख	सागर	533.93	533930	20000	08 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
4.	2024_PWDRB_388742_1	ग्राम बिलहरा बेरखेड़ी निटर्री मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित अनुमानित लागत 748.88 लाख	सागर	748.88	748880	20000	08 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
5.	2024_PWDRB_388743_1	ग्राम झिला से मुरलीबासौदा मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित अनुमानित लागत 612.07 लाख	सागर	612.07	612070	20000	08 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
		योग		**3701.34**				

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 17.12.2024 समय 10.00 से दिनांक 30.12.2024 समय 17:30** तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

जी-20517/50371/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री
ए-2/2, एम.आई.जी., महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.)
Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in, मोबा. : 9406808103
क्र. 1555 /पय/मप्रपुआअविनि/24/उज्जैन दिनांक 20.12.2024

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 20/2024-25

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक-20/2024-25 दिनांक 20.12.2024 के अंतर्गत बाह्य विद्युतीकरण कार्य सी.एम. राइज स्कूल भवन खाचरौद, महाराजवाड़ा उज्जैन, रावटी जिला रतलाम, 8+12+48 आवास गृह मंदसौर, एफ टाइप 6, जी टाइप 8, एच टाइप 8 आवास गृह मंदसौर, पुलिस कन्ट्रोलरूम आगर मालवा, पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं प्रशासनिक भवन होमगार्ड आगर मालवा हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2024_MPPHC_389746, 2024_MPPHC_389747, 2024_MPPHC_389749, 2024_MPPHC_389751, 2024_MPPHC_389753, 2024_MPPHC_389755, 2024_MPPHC _389757 आमंत्रित की गई है।
निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 02.01.2025 17.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** परदेखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/117913/2024 **परियोजना यंत्री**

R-50370/2024

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन रीवा (म.प्र.)
Phone : 9425601556/9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत बाह्य विद्युतीकरण कार्य 30 बिस्तरीय अस्पताल घुवारा जिला छतरपुर के कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 08/2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER NO. 2024_MPPHC_388499_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 24.12.2024 समय 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण Portal : **http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/117813/2024 R-50362/2024 **परियोजना यंत्री**

चलाया गया स्वच्छ कॉलोनी अभियान

भोपाल, प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन शहरी के अंतर्गत 413 नगरीय निकायों में स्वच्छ कॉलोनी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगरीय निकाय के वार्डों में रहवासियों एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई। चर्चा के दौरान घर से निकलने वाले गीले अपशिष्ट को घर पर ही कम्पोस्टिंग विधि से खाद तैयार करने की जानकारी दी गई। रहवासियों को होम कम्पोस्ट खाद के पैकेट वितरित किये गये। राष्ट्रीय स्तर पर हो रही प्रतिस्पर्धा 'स्वच्छ सर्वेक्षण-2024' में देशभर के नगरीय निकायों द्वारा प्रतिभागिता की जा रही है।

जनजातीय विकास के लिये सामाजिक और आर्थिक प्रगति की लिखी नई इबारत

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में जनजातीय विकास के लिये सामाजिक और आर्थिक प्रगति की नई इबारत लिखी जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों से राज्य में जनजातीय समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक जीवन में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार के सतत प्रयासों से यहाँ के जनजातीय समुदाय अब प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह विकास न केवल राज्य के लिए बल्कि देश के लिए भी एक प्रेरणा है। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा-अभियान (पीएम जन-मन) के जरिए प्रदेश की तीन विशेष पिछड़े जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के समग्र विकास एवं कल्याण के लिए अभूतपूर्व काम हो रहा है। मध्यप्रदेश पीएम जन-मन के क्रियान्वयन में देश में अव्वल स्थान पर है।

ड्रॉप-आउट में कमी और रोज़गार में वृद्धि

राज्य में शिक्षा संबंधी प्रोत्साहन योजनाओं के प्रभाव से जनजातीय विद्यार्थियों की साक्षरता दर 51 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। उच्च शिक्षा के लिए शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति मिलने से छात्रों के ड्रॉप-आउट में उल्लेखनीय कमी आई है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों में जनजातीय छात्रों की भागीदारी में वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही सरकार के प्रयासों से अब युवाओं को निजी क्षेत्र में रोज़गार के बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

स्वरोज़गार और ऋण योजनाओं का लाभ

सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वरोज़गार और आर्थिक कल्याण योजनाओं से जनजातीय हितग्राहियों को बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराए गए हैं। इससे वे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर बेहतर जीवन यापन कर रहे हैं।

वन अधिकार अधिनियम से मिला भूमि का अधिकार

वन अधिकार अधिनियम-2006 के प्रभावी क्रियान्वयन से लगभग 2 लाख 75 हजार जनजातीय परिवारों को उनकी जमीनों पर अधिकार प्रदान किया गया है। इससे उन्हें अपनी भूमि पर खेती करने और जीवन स्तर को सुधारने का मौका मिला है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान

जनजातीय अनुसंधान और विकास संस्थान द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले जनजातीय सेनानियों की वीर गाथाओं को संरक्षित करने के लिए म्यूजियम बनाए गए हैं। यह पहल न केवल उनके बलिदान को सम्मानित करती है, बल्कि युवा पीढ़ी को प्रेरित भी करती है।

साहूकारों से मिली आजादी

मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति साहूकार विनियम 1972 को 2021 में संशोधित कर लागू किया गया, जिससे जनजातीय समुदाय को गैरकानूनी साहूकारों के शोषण से मुक्ति मिली है।

आधुनिक सुविधाओं का विस्तार

जनजातीय क्षेत्रों में कृषि, सिंचाई, विद्युत, सड़क, और संचार सुविधाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, जिससे इन क्षेत्रों का विकास तीव्र गति से हो रहा है।

संत सम्मेलन में 98 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात

पन्ना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पन्ना में आयोजित जल कलश यात्रा, संत सम्मेलन और लोक कल्याण शिविर में 98 करोड़ रुपये के 13 विकास कार्यों की सौगात देते हुए कहा कि 25 दिसम्बर से बुन्देलखण्ड क्षेत्र की प्रगति के नये द्वार खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड का हर व्यक्ति खुशहाल होगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का खजुराहो में शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना क्षेत्र के अजयगढ़ में 100 सीटर कन्या और 50 सीटर बालक छात्रावास बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम में बुन्देलखण्डी पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। बुन्देलखण्ड विकास की बदौलत अब नये दौर में पहुंच रहा है। देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन से बुन्देलखण्ड की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। बहुप्रतीक्षित केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से वृहद स्तर पर सिंचाई एवं पेयजल सुविधा मिलेगी। साथ ही बिजली उत्पादन, कई फसलों की पैदावार एवं पर्यटन क्षेत्र में विकास से नागरिकों का जीवन खुशहाल होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर जनकल्याण पर्व मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 20 वर्ष से लंबित पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से चंबल एवं मालवांचल में खुशहाली आएगी। 70 हजार करोड़ रुपये लागत की इस परियोजना का निर्माण भी अब निर्बाध रूप से होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब कल्याण के लिए कृत संकल्पित है। धार्मिक क्षेत्र में भी विकास की अपार संभावना है। तीर्थ क्षेत्रों के विकास के साथ सर्वसमाज एवं सर्वहरा वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उद्योगों के माध्यम से रोज़गार के अवसर में बढ़ोत्तरी का प्रयास भी किया जा रहा है। गत दिनों में संभाग स्तर पर सफलतापूर्वक रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए गए हैं।

खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना बुन्दलेखण्ड की जीवन रेखा साबित होगी। इससे क्षेत्र के लाखों लोगों को पेयजल सुविधा और किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन एवं सकारात्मक सोच के फलस्वरूप अन्य विकास योजनाएं भी क्रियान्वित होंगी। पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार का भागीरथी प्रयास सराहनीय है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 12039/02/2018/चयन इन्दौर, दिनांक : 04.12.2024

सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2017
चयन-सूची
पदनाम-सहायक प्राध्यापक, एक्वाकल्चर

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 07/2017/दिनांक 12.12.2017 के संदर्भ में आयोजित **सहायक प्राध्यापक ऑनलाइन परीक्षा-2017** के तहत **उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत** पदनाम - **सहायक प्राध्यापक, एक्वाकल्चर** का कुल मूलतः 01 पद (अनारक्षित-01) विज्ञापित किया गया था। उक्त विज्ञापन अंतर्गत सहायक प्राध्यापक, एक्वाकल्चर के पद की पूर्ति के लिए ऑनलाइन परीक्षा **दिनांक 23 जून, 2018** को आयोजित की गई थी।

2. माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई-दिल्ली द्वारा निर्णित एस.एल.पी. क्रमांक 18128-18129/2023 पारित निर्णय दिनांक 17.09.2024 के परिपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त पत्र क्रमांक एफ 3/1/2/0008/2023/38-1 भोपाल, दिनांक 18.11.2024 के परिप्रेक्ष्य में आयोग द्वारा जारी शुद्धिपत्र क्रमांक 19.07.2017 दिनांक 25.11.2024 के माध्यम से उक्त विज्ञापन अंतर्गत विज्ञापित सहायक प्राध्यापक, एक्वाकल्चर के निम्नांकित तालिका में उल्लेखित संशोधित रिक्त पद की पूर्ति के लिए ऑनलाइन परीक्षा **दिनांक 23 जून, 2018** को आयोजित किये जाने के परिणामस्वरूप लिखित परीक्षा के प्राप्तांक + अतिथि विद्वान को देय वरीयता अंकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार चयन सूची घोषित की जाती है :–

सहायक प्राध्यापक, एक्वाकल्चर (उच्च शिक्षा विभाग के लिए)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	योग
कुल पदों की संख्या	1	0	0	0	1
इनमें से महिलाओं के लिये आरक्षित पद	0	0	0	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	1001770	SHYAM KUMAR	M	UNR	GEN

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	1000057	SHIVANI SHARMA	F	GEN

टीप :–

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिये निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किये गये हैं जो कि ''हर प्रकार के सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के सामन ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किये हों'' जिसके तहत किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किये बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया गया है।
2. महिलाओं/निःशक्तजनों के आरक्षित पदों पर चयन की प्रक्रिया म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के समय-समय पर जारी शासनादेशों के अनुसार संपादित की गई है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. आवेदकों द्वारा सबमिट ऑनलाइन आवेदन पत्र में अंकित प्रत्येक प्रविष्टियों को ही शत-प्रतिशत सही मानते हुए इन प्रविष्टियों के आधार पर तथा आवेदक को प्राप्त लिखित परीक्षा में अर्जित अंकों + अतिथि विद्वानों को देय वरीयता अंकों के योग की मेरिट आधार पर चयन परिणाम तैयार किया गया है। जारी किया गया चयन परिणाम निम्नांकित कंडिका के अध्यधीन समस्त शर्तों को पूर्ण करने पर ही मान्य रहेगा, आवेदक द्वारा त्रुटिपूर्ण जानकारी ऑनलाइन आवेदन में प्रविष्टि करने की स्थिति में स्वतः ही आवेदक की चयन की अधिकारिता विभाग द्वारा समाप्त की जा सकेगी -
   (1) चयन सूची की अनुशंसा विभाग को इस शर्त के साथ अग्रेषित की जावेगी कि विभाग चयन सूची में चयनित मुख्य सूची/अनुपूरक सूची के अभ्यर्थियों को अपने स्तर पर विज्ञापन में वर्णित शैक्षणिक अर्हता/पात्रता की समस्त शर्तें एवं आवेदक द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में दी गई प्रविष्टियां शत-प्रतिशत सही हैं अथवा नहीं, आवेदक के मूल अभिलेखों से सूक्ष्मता से मिलान/सत्यापन कार्य पूर्ण कराकर समुचित पुष्टि उपरांत ही नियुक्ति की कार्यवाही संपादित करना सुनिश्चित करेंगे।
   (2) आयोग द्वारा की जा रही सहायक प्राध्यापक की चयन प्रक्रिया में शासन निर्देशानुसार साक्षात्कार को विलोपित किया गया है। अतः चयनित किये समस्त आवेदकों के नियुक्ति पत्र जारी करने के पूर्व विभाग द्वारा अपने स्तर से समस्त आवेदकों की अर्हताएं विज्ञापन में विज्ञापित वर्णित व्यवस्था अनुसार जांच की जावेगी, जांच उपरांत ही विभाग द्वारा आवेदकों की नियुक्ति संबंधी कार्यवाही सम्पादित कर सकेंगे। चयनित आवेदकों में से यदि किसी आवेदक की अर्हताएं विज्ञापन अनुसार पूर्ण नहीं होती हैं, तो विभाग अपने स्तर पर नियुक्ति निरस्त करने की कार्यवाही सम्पादित कर आयोग को भी अवगत करायेंगे।

उप सचिव

जी-20385/50355/2024 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

सामाजिक न्याय मंत्री श्री कुशवाह नई दिल्ली में राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड बैठक में शामिल हुए

नई दिल्ली, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड की सातवीं बैठक में भाग लिया। बैठक केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए प्रयासों पर चर्चा की गई।

श्री कुशवाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की। श्री कुशवाह ने कहा कि समाज के हर वर्ग को समान अवसर प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं और नवाचारों की जानकारी भी साझा की। बैठक में दिव्यांगजनों के अधिकारों और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उपायों पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यालय कलेक्टर, पश्चिम निमाड़, खरगोन (म.प्र.)
(जनजातीय कार्य विभाग)

actw.khg@mp.gov.in

क्रमांक/8972/जजाकावि/निर्माण/2024 खरगोन, दिनांक : 04.12.2024

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-04/2024-25

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से ई-टेण्डरिंग क्रमांक 2024_TAD_386289, 2024_TAD_386293, 2024_TAD_386296, 2024_TAD_387228 के कार्य हेतु ऑनलाइन निविदायें लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा भवन कार्य हेतु जारी दिनांक 01.01.2024 अनुसूची तथा रोड कार्य हेतु जारी दिनांक 25.03.2022 के अमांडमेंट दिनांक 18.09.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये संशोधनों सहित) के आधार पर सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, खरगोन के कार्यालय में निर्धारित, निविदा समय सारणी (Key Dates) अनुसार आमंत्रित की जाती है।

- उक्त निविदा में 04 ग्रुप बनाये गये हैं, जिसकी लागत राशि रु. 984.40 लाख है। जिसमें एक ग्रुप की अधिकतम लागत राशि रु. 342.38 लाख है।
- कार्य संबंधी विस्तृत विवरण एवं निविदा की शर्तें आदि वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** या सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, खरगोन के कार्यालय में देखी जा सकती है।
- उक्त निविदाओं को वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा प्रपत्र (Key Dates) वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** के माध्यम से क्रय किया जावेगा।
- निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 06.01.2025 समय सायं 5.30 बजे** निर्धारित है।
- निविदा प्रपत्र ऑनलाइन प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 06.01.2025 समय 5.30 बजे तक** निर्धारित है।
- निविदा में यदि किसी प्रकार का संशोधन होता है तो वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।
- कार्यों के देयकों का भुगतान शासन से उपलब्ध आवंटन अनुसार किया जावेगा। निविदा में अंकित कार्य की संख्या को कम या ज्यादा करने हेतु कार्यालय का पूर्णतः अधिकार रहेगा।
- निविदा की विस्तृत समस्त शर्तें Appendix 2.10 Tender Document अनुसार रहेंगी।
- समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतिक्षा न करें। शीघ्रातिशीघ्र बिड जमा करें। वेबसाइट में किसी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।
- जीएसटी एवं अन्य कटौत्रा शासन नियमानुसार होगा।

सहायक आयुक्त

जी-20286/50353/2024 जनजातीय कार्य विभाग, खरगोन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 1, ग्वालियर

फोन नं. : 0751-2371231, ईमेल : eepwd1gwl@mp.nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 15/टी.सी./डी-1 ग्वा./2024-25 दिनांक : 11.12.2024

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन निविदा प्रपत्र 2.10 पद आमंत्रण की सूचना क्र. 14 ग्वालियर दिनांक 28.11.2024 द्वारा प्रचलित भवन/पथ कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 01.01.2024/25.03.2022 पर निविदायें लो.नि.वि. में केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार श्रेणी हेतु आमंत्रित की जाती है जिसका सम्पूर्ण विवरण **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। विभाग तकनीकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार नहीं होगा एवं किन्हीं कारणों से की जाने वाली परिवर्तन की सूचना वेबसाइट पर ही देखें, पृथक से प्रकाशित नहीं की जावेगी।

स. क्र.	टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	(1) ठेके की अनु. लागत राशि रु. (2) अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	1. पंजीयन श्रेणी
1.	2024_PWDRB_387742_1	संभाग अंतर्गत न्यू कलेक्ट्रेट से अलापुर तिराहा वाया सिरोल तिराहा मार्ग लम्बाई 2.70 कि.मी. एवं ग्वालियर-झांसी ए.जी.ओ. पुल से विक्की फैक्ट्री मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. कुल लंबाई 7.70 कि.मी. पर व्हाईट टॉपिंग का कार्य।	1. 2199.96 लाख 2. 1099980/-	50000/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

कुल कार्य संख्या - 01 (एक)

ऑनलाइन निविदा जारी व डाउनलोड करने की आरम्भ तिथि	12.12.2024 प्रातः 11.00
ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	**25.12.2024 प्रातः 17.30**
ऑनलाइन निविदा दर खुलने की तिथि	27.12.2024 प्रातः 11.00

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं तथा सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकती हैं।

कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.1, ग्वालियर (म.प्र.)

जी-20347/50354/2024 फोन - 0751-2371231

संचालक ग्वालियर मानसिक आरोग्यशाला
ग्वालियर म.प्र.

Email - directorgma@mp.gov.in & gma_gwalior@rediffmail.com

Phone No. - 0751-2480263, 2481841

क्रमांक 5659-60/स्था./2024 ग्वालियर, दिनांक : 17.12.2024

विज्ञापन सूचना

मध्यप्रदेश शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ-2-15/2022/1/55 भोपाल दिनांक 03.08.2022 द्वारा सृजित/स्थानांतरित, जूनियर रेसीडेन्ट पद, संचालक चिकित्सा शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल के आदेश क्रमांक 1200-02/स्था./राज/2021 दिनांक 24.12.2021 एवं ग्वालियर मानसिक आरोग्यशाला म.प्र., प्रबंध समिति की 58वीं बैठक दिनांक 28.12.2021 में लिये गये निर्णय के परिपालन में जूनियर रेसीडेन्ट के रिक्त पदों पर सीमित समयावधि (Tenure) 3 वर्ष हेतु भरे जाने हेतु, विज्ञप्ति जारी कर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्रथम नियुक्ति एक वर्ष हेतु की जावेगी, विभागाध्यक्ष के अनुशंसा एवं स्पष्ट अभिमत पर एक-एक वर्ष कर अधिकतम कुल तीन वर्ष तक आगे बढ़ाई जायेगी। आवेदन कार्यालयीन समय 10.30 AM से 05.30 PM तक संचालक ग्वालियर मानसिक आरोग्यशाला के कार्यालय में प्राप्त किये जावेंगे। तथा साथ ही विभागीय वेबसाइट **https://gwaliormentalhospital.org** पर विस्तृत नियम निर्देश पढ़ सकते हैं।

आवेदन प्रारंभ होने की दिनांक 23.12.2024

आवेदन जमा करने की अंतिम दिनांक 30.12.2024

संचालक

जी-20494/50359/2024 ग्वालियर मानसिक आरोग्यशाला ग्वालियर (म.प्र.)

ग्वालियर के उत्सवधर्मिता की देशभर में है विशेष पहचान - मुख्यमंत्री

ग्वालियर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में आयोजित हो रहे 100वें 'तानसेन संगीत समारोह' के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगीतधानी ग्वालियर की उत्सवधर्मिता की देशभर में विशेष पहचान है। साथ ही संगीत और कलाओं का प्रोत्साहन एवं कलाकारों का मान-सम्मान बढ़ाने की यहाँ की रिवायत भी अद्वितीय है। इस धरा पर जन्मे तानसेन और बैजू बावरा जैसे महान संगीतज्ञों को वर्तमान संगीत साधक भगवान की तरह पूजते हैं। उन्होंने कहा कि संगीत शिरोमणि तानसेन की स्मृति में आयोजित हो रहे शताब्दी आयोजन में शामिल होकर मुझे विशेष खुशी की अनुभूति हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तानसेन समारोह के शताब्दी आयोजन में अपने देश के संगीत के शीर्षस्थ साधकों के साथ चार अन्य देशों के संगीत कलाकार सुर सम्राट तानसेन को स्वरांजलि देने आए हैं। मध्यप्रदेश सरकार देश और विदेश के सभी कलाकारों का अभिनंदन करती है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर संगीत एवं कला की अद्भुत नगरी है। मेरा सौभाग्य है कि यहां महान संगीतज्ञ तानसेन की याद में आयोजित होने वाले संगीत समारोह में दो बार आने का मुझे मौका मिला। पिछली बार जब मैं आया था तब ग्वालियर दुर्ग पर ताल दरबार के वृहद आयोजन से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना था। इसी तरह इस बार कला साधकों ने वाद्य यंत्रों का समवेत वादन कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

मान-सम्मान की प्रेरणादायी परंपरा कायम की

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्य सरकार कलाकारों के मान-सम्मान का पूरा ध्यान रख रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर पैदल चलकर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। उन्होंने कलाकारों के मान-सम्मान की जो प्रेरणादायी परंपरा कायम की है, प्रदेश सरकार उसका पूरा ध्यान रख रही है।

राष्ट्रीय राजमार्गों के समयबद्ध निर्माण के लिए प्रदेश सरकार दृढ़-संकल्पित

भोपाल, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने भोपाल निवास कार्यालय पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में प्रगतिरत राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और आगामी कार्य-योजनाओं की समीक्षा की।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने बैठक में कहा कि प्रदेश में एनएचएआई की सभी प्रगतिरत परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए। समय-सीमा के भीतर परियोजनाओं का पूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है ताकि जनता को सुगम और सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके।

श्री सिंह ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और सड़क सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन किया जाए। उन्होंने निर्माण संबंधी लंबित विषयों पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के समयबद्ध निर्माण के लिए प्रदेश सरकार दृढ़ संकल्पित है। श्री सिंह ने परियोजनाओं में वन अनुमति और भू-अर्जन संबंधी समस्यायों के समाधान के लिए विभागों से आपसी समन्वय कर उनका निराकरण कराने के निर्देश दिए।

उप राष्ट्रपति ने जीवाजी राव सिंधिया की प्रतिमा का किया अनावरण

जीवाजी राव ने जो शिक्षा का सपना देखा था वह हो रहा है साकार

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं अन्य विशिष्ट अतिथि

ग्वालियर, उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने जीवाजी विश्वविद्यालय परिसर में जीवाजी राव सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि सिंधिया परिवार का शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा है। मैंने आज उन महापुरुष की मूर्ति का अनावरण किया है, जिन्होंने स्वतंत्र भारत में शिक्षा सहित अनेक क्षेत्र में अपने कीर्तिमान स्थापित किए हैं। साथ ही शिक्षा को गति देने का कार्य भी किया है। शिक्षा से ही व्यक्ति के अंदर भाव आता है और मानव का निर्माण होता है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि परिवर्तनशील दुनिया है, बदलाव होते रहेंगे, लेकिन शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की। तकनीक में हमारा देश काफी आगे निकल चुका है। जीवाजी विश्वविद्यालय संस्थान भी नई-नई तकनीकों को लायेगा, ऐसी उम्मीद है।

- **जीवाजी राव ने शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया।**
- **जीवाजी महाविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नक्षत्र की तरह उभरता संस्थान है।**

उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि सिंधिया परिवार का संसद में हमेशा योगदान रहा है। स्व. माधवराव सिंधिया ने अनेक क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किये हैं। उन्हें जो भी मंत्रालय मिला, उसमें उन्होंने अपना श्रेष्ठ कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर के लिये यह अवसर यादगार रहेगा। ग्वालियर में दो बड़े कार्यों का शुभारंभ हुआ है। जियो साइंस म्यूजियम के माध्यम से पृथ्वी की उत्पत्ति, उसकी रचना, भू-गर्भिक घटनाओं की जानकारी का संकलन प्राप्त होगा। साथ ही ज्ञान, विज्ञान के समावेश से युवाओं को नई जानकारियां प्राप्त होंगीं। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले जीवाजी राव सिंधिया की मूर्ति का अनावरण भी किया गया है। जीवाजी विश्वविद्यालय ने न केवल मध्यप्रदेश में बल्कि सम्पूर्ण देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति करते हुए देश के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में और सशक्त बनाने का कार्य करता रहेगा।

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर शहर संगीत, शिक्षा और अपनी ऐतिहासिकता के लिये जाना जाता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान से ही विनम्रता प्राप्त होती है और विनम्रता से ही पात्रता प्राप्त होती है। जीवाजी विश्वविद्यालय 250 एकड़ में स्थापित है।

परिवहन से राजस्व आय 3 हजार 54 करोड़ रुपये

भोपाल, परिवहन विभाग को इस वर्ष अप्रैल से नवम्बर 2024 तक 3 हजार 54 करोड़ रुपये की राजस्व आय प्राप्त हुई है। इस वर्ष प्रदेश में राज्य सरकार ने परिवहन से राजस्व आय का लक्ष्य 5 हजार 500 करोड़ रुपये निर्धारित किया है। परिवहन विभाग को पिछले वर्ष 2023-24 में 4 हजार 606 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था, जो वर्ष 2022-23 के मुकाबले 14.61 प्रतिशत अधिक रहा था। परिवहन विभाग की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिये विभाग ने अनेक कार्य किये हैं। विभाग ने अपनी 50 सेवाओं को फेसलेस किया है।

इंदौर मॉडल को पूरे प्रदेश में पहुंचाने का प्रयास

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में एनआरआई फोरम द्वारा आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापार, वाणिज्य, उद्योग क्षेत्र के साथ ही अन्य क्षेत्रों में इंदौर की महत्वपूर्ण भूमिका है। सूचना प्रौद्योगिकी से लेकर निवेश के विभिन्न क्षेत्रों में इंदौर ने आने वाले कल की आहट सुनकर विकास पथ पर कदम बढ़ाए हैं। इसलिए इंदौर मध्यप्रदेश का सिरमौर है। इंदौर एक ग्लोबल सिटी है। चाहे यहां खान-पान की बात हो, कला जगत की बात हो, परम्पराओं को सहेजने की बात हो या फिर स्वच्छता में सबसे आगे रहने की। इंदौर एक मॉडल है। इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और समिट के इंदौर मॉडल को पूरे प्रदेश में पहुंचाया गया है। प्रदेश के विभिन्न संभागों में इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर मध्यप्रदेश के तीव्र विकास को गति देने की पहल हुई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बनाया रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नदी जोड़ो परियोजनाओं का पहला प्रयोग कर एक रिकॉर्ड बनाया है। मध्यप्रदेश दोनों परियोजनाओं में शामिल है। केन-बेतवा परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से मध्यप्रदेश के बड़े इलाके में पेयजल और सिंचाई के लिए बेहतर व्यवस्थाएं होंगी। समृद्धि के नए मार्ग खुलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जयपुर में पार्वती-काली सिंध-चंबल परियोजना संबंधित त्रिपक्षीय अनुबंध हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा परियोजना के लिए 70 हजार करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी तरह केन-बेतवा परियोजना पर लगभग एक लाख करोड़ रुपये व्यय होंगे, जिसकी स्वीकृति केन्द्र सरकार द्वारा दी गई। एशिया से लुप्त हो चुके चीतों की प्रजाति का संरक्षण करते हुए उन्हें मध्यप्रदेश में बसाया गया।

जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को दी बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना के लिए जयपुर में हुए अनुबंध पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनप्रतिनिधियों ने बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पार्वती-कालीसिंध-चंबल और केन-बेतवा परियोजनाओं के अनुबंध होने पर मिष्ठान खिलाकर बधाई दी गई। नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट कर कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना के क्रियान्वयन से संपूर्ण मालवा क्षेत्र का तीव्र विकास संभव होगा।

भोपाल स्थित ग्लोबल स्किल्स पार्क ने रचा इतिहास

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' अभियान में मध्यप्रदेश ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क ने वंदे भारत ट्रेन के लिए बीएचईएल द्वारा सौंपे गए उच्च गुणवत्ता वाले बियरिंग पार्ट्स का सफलतापूर्वक निर्माण कर यह साबित कर दिया है कि राज्य देश का तकनीकी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व और कौशल विकास एवं रोज़गार राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल के मार्गदर्शन में ग्लोबल स्किल्स पार्क ने बियरिंग पार्ट्स निर्माण के प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करते हुए अपनी तकनीकी क्षमता को सिद्ध किया है।

बियरिंग पार्ट्स निर्माण की इस परियोजना में अत्याधुनिक 3-एक्सिस और 5-एक्सिस सीएनसी मिलिंग और टर्निंग तकनीकों का उपयोग किया गया है। ग्लोबल स्किल्स पार्क के प्रशिक्षित विशेषज्ञों और युवाओं ने पूरी दक्षता के साथ बियरिंग पार्ट्स का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ किया। यह केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा कि यह मध्यप्रदेश के तकनीकी नवाचार और कौशल विकास के बढ़ते कदमों का प्रतीक है।

अशोक नगर जिले के चंदेरी में हुआ ईको रिट्रीट का शुभारंभ

भोपाल, प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगर चंदेरी में एडवेंचर के रोमांच और लोक कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ लग्जरी ग्लैपिंग के अनुभव के लिए 'चंदेरी ईको रिट्रीट' की शुरुआत की जा रही है। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि 'चंदेरी ईको रिट्रीट' ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नगरी चंदेरी को पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से लाने का एक प्रयास है। चंदेरी ईको रिट्रीट, पर्यटकों और आगंतुकों को चंदेरी की समृद्ध विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक स्थलों से अवगत कराएगा। इससे स्थानीय शिल्पकारों और व्यवसायों को रोज़गार और लाभ मिलेगा।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि 'चंदेरी ईको रिट्रीट' के दूसरे संस्करण के दौरान चंदेरी की लोकप्रिय फिल्म लोकेशंस से पर्यटकों को जोड़ने के लिये स्त्री सेल्फी पॉइन्ट बनाने की पहल की गई है। ब्लॉकबस्टर फिल्म स्त्री के दोनों पार्ट की शूटिंग वाले लोकेशंस में जाकर पर्यटक सेल्फी ले सकेंगे। इसके साथ ही स्थानीय कला पर आधारित आर्ट और क्रॉफ्ट बाजार आदि गतिविधियां पर्यटकों के अविस्मरणीय अनुभव के लिए तैयार हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मऊगंज में हुआ जनकल्याण पर्व का आयोजन

हमारी सरकार ने मऊगंज को जिला बनाया अब हम दे रहे हैं विकास की सौगातें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मऊगंज में आयोजित समारोह को संबोधित किया

मऊगंज, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मऊगंज में आयोजित जनकल्याण पर्व समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में चलाये जा रहे जनकल्याण अभियान में प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासन की विकास योजनाओं से लाभांवित किया जायेगा। इसके लिये ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर शिविर लगाकर पात्र नागरिकों को योजनाओं से जोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि मऊगंज विकास की दौड़ में पीछे छूट गया था। हमारी सरकार ने मऊगंज को जिला बनाया और अब सरकार ही मऊगंज को विकास की सौगातें दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 5041 करोड़ रुपये की सीतापुर-हनुमना लिफ्ट इरिगेशन परियोजना का शिलान्यास किया। इस परियोजना से मऊगंज जिले के 400 से अधिक गांवों में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। समारोह में 5175 करोड़ रुपये के 57 निर्माण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने खटखरी को नगर परिषद बनाने, दो सड़कों के उन्नयन, देवतालाब महाविद्यालय में 5 करोड़ रुपये की लागत से स्टेडियम के निर्माण, हनुमना में सिविल अस्पताल बनाने और देवतालाब शिव मंदिर में 5 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराने की घोषणा की।

- **5041 करोड़ रुपये की सीतापुर-हनुमना सिंचाई परियोजना का शिलान्यास।**
- **60 लाख विद्यार्थियों के खाते में अंतरित की 332 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति राशि।**
- **मऊगंज को दी स्टेडियम, सिविल अस्पताल, देवतालाब मंदिर के विकास की सौगात।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई शिक्षा नीति में सनातन मूल्यों को समाहित कर शिक्षा को नई दिशा दी है। सनातन मूल्यों का जो विरोध करेगा, देश उसके साथ खड़ा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मऊगंज रीवा और सतना सहित पूरा विंध्य क्षेत्र सादगी, सरलता और सद्भाव का क्षेत्र है। भगवान श्रीराम ने अपने जीवन के वनवास के 11 वर्ष इसी क्षेत्र के चित्रकूट में बिताये। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हर मांग पूरी की जाएगी। जन कल्याण अभियान में 16 हजार 100 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की कार्ययोजना पूरे प्रदेश के लिए बनाई गई है।

मध्यप्रदेश के वन, वनोपज और वन्य-प्राणी प्रदेश की हैं पहचान

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने 10वें अंतर्राष्ट्रीय वन मेले के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश वन संपदा की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। यहां पर औषधीय जड़ी-बूटियों का समृद्ध भंडार है। कोविड महामारी ने विश्व को आयुर्वेद के महत्व से पुन: परिचित कराया है। उन्होंने महामारी के दौरान मरीजों के इलाज के लिए आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण कार्य के लिए प्रदेश सरकार की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि वन मेले का आयोजन, वन संसाधनों की महत्ता, उनके संरक्षण और संवर्धन की जागरूकता प्रसार की दिशा में सुखद संकेत है।

राज्यपाल ने शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ हितग्राहियों को लघु वनोपज संघ अंतर्गत प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि का वितरण किया। वन एवं राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ द्वारा 10वें अंतर्राष्ट्रीय वन मेले का लाल परेड ग्राउंड भोपाल में 17 से 23 दिसंबर तक आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का अपना महत्व है, लेकिन वनों से प्राप्त औषधियों की विशेष उपयोगिता है। कोरोना के कठिन समय में आयुर्वेद ने लोगों के जीवन बचाने में मदद की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दिया है। अब चिकित्सा जगत में फिर से आयुष का महत्व बढ़ा है। वन मेले जैसे आयोजन इस नाते बहुत महत्व रखते हैं। वास्तव में यह अंतर्राष्ट्रीय वन मेला अनोखा है। इस मेले की शुरुआत वर्ष 2001 से हुई और धीरे-धीरे यह प्रदेश से आगे बढ़कर देश तक और फिर वैश्विक हो गया। मेले ने अपनी अलग पहचान बनाई है। आम तौर पर वन और वन-सम्पदा से मेलों का इतना विस्तार होना हम सबके लिए गौरव की बात है।

टी.बी. को हराने और देश को जिताने में लगाएं पूरी शक्ति और जोश

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने क्षय भवन में आयोजित 75वें टी.बी. सील विमोचन कार्यक्रम को संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि टी.बी. को हराने और देश को जिताने के लिए भरपूर जोश और शक्ति के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने टी.बी. उन्मूलन अभियान में योगदान के लिए नागरिकों से अपील की है। उन्होंने कहा है कि नि-क्षय मित्र योजनाओं में पांच सौ, हजार रुपये का योगदान किसी के प्राणों की रक्षा कर सकता है। जनता के प्राणों की रक्षा के उद्देश्य के भाव के साथ टी.बी. सील अभियान में सहयोग करें।

इस अवसर पर 75वीं टी.बी. सील का विमोचन किया। प्रतीकात्मक रूप से टी.बी. के 5 रोगियों को फूड-बास्केट प्रदान की। टी.बी. चैम्पियन और दो नि-क्षय मित्रों का सम्मान किया।

राज्यपाल ने कहा कि टी.बी. के बारे में जानकारियों का प्रसार, रोग उन्मूलन की प्राथमिक आवश्यकता है। उन्होंने सुदूर अंचलों और वंचित क्षेत्रों में टी.बी. रोग के बारे में जन जागरण के प्रयासों पर बल दिया है। सामुदायिक स्तर पर संवाद कायम किया जाए। रोग के लक्षणों से हर घर को परिचित कराएं।

बिजली की मांग 18695 मेगावॉट का नया रिकॉर्ड

भोपाल, मध्यप्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक बिजली की मांग का नया रिकॉर्ड 18 दिसंबर को प्रात: 9.34 बजे उस समय बना जब विद्युत की शीर्ष मांग 18695 मेगावॉट पहुंच गई। वहीं प्रदेश में गत दिवस 17 दिसंबर को इतिहास की सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति 3368.56 लाख यूनिट की गई। इस प्रकार प्रदेश में एक दिन के अंतराल में विद्युत की मांग तथा आपूर्ति दोनों का रिकॉर्ड कायम हुआ। विशेष बात यह रही कि प्रदेश में सर्वाधिक बिजली की मांग की आपूर्ति शत प्रतिशत की गई। प्रदेश में दिसंबर माह में विद्युत की मांग प्रतिदिन लगातार उच्चतम स्तर पर पहुंच रही है।

सरकार के विकास कार्यों का मूल्यांकन समाज करेगा

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि विगत एक वर्ष में सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का मूल्यांकन समाज द्वारा किया जाना बेहतर होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास और जनकल्याण के बड़े लक्ष्य तय कर प्रगति पथ पर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने काम पर संतोष कर लेने से प्रगति रुक जाती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में निवेश और व्यापार की सुगमता के लिए निरंतर काम किए जा रहे हैं। सरकार प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों में रीजनल इंडस्ट्री

कॉन्क्लेव और देश के प्रमुख औद्योगिक नगरों में रोड-शो आयोजित कर निवेश आकर्षित कर रही है। उन्होंने बताया कि यूके यात्रा से 60 हजार करोड़ और जर्मनी दौरे से लगभग 20 हजार करोड़ के निवेश प्राप्त हुए हैं। मध्यप्रदेश संसाधन संपन्न राज्य है और व्यापार-अनुकूल एवं श्रम-हितैषी नीतियों के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में कृषि की विकास दर 25 प्रतिशत पहुंच चुकी है। आगामी समय में दुग्ध उत्पादन जैसे संबद्ध क्षेत्रों में विकास की संभावना को देखते हुए सहकारिता के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ समझौता किया गया है।

केंद्र सरकार की सहायता से केन-बेतवा तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजनाओं का शीघ्र ही शिलान्यास होने जा रहा है। इससे उद्योग और कृषि की पानी की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने सरसी पर्यटन केन्द्र एवं रिसॉर्ट का किया लोकार्पण

शहडोल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले में बाण सागर डैम में स्थित सरसी आईलैंड के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा मध्यप्रदेश पर्यटन विविधताओं से भरपूर है। रेवांचल में सरसी आईलैंड देखने पर गोवा और अंडमान निकोबार की अनुभूति हो रही है। हमारा मध्यप्रदेश पर्यटन विविधताओं और विभिन्न विशिष्टताओं से भरा हुआ है, प्रदेश का पर्यटन दुनियाभर के लोगों को आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री से सीखा जा सकता है कठिनाइयों में सर्वोत्तम प्रदर्शन करना

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टी.टी. नगर स्टेडियम में 'खेल प्रतिभाओं का सम्मान और प्रोत्साहन समारोह' को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन सर्वोत्तम तरीके से खिलाड़ी ही करते हैं। प्रतिभा का प्रदर्शन खिलाड़ी विभिन्न क्षेत्रों में करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से कठिनाइयों में भी सर्वोत्तम प्रदर्शन करने की कला सीखी जा सकती है। उन्होंने वर्तमान में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तो हमारे खिलाड़ी निशाना भी सीधे पदक पर ही लगाते हैं। समारोह में 1 हजार 786 खिलाड़ियों को 25.389 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिये हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। नयी शिक्षा नीति में खेलों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। स्पोर्ट्स टीचर की पदोन्नतियों के रास्ते खोले गये हैं। उच्च शिक्षा में स्पोर्ट्स टीचर सहायक प्राध्यापक एवं उसके बाद की भी पदोन्नतियां पा सकते हैं।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि सीधे उनके खातों में प्रदान की जा रही है, जिससे कि वे उनके प्रशिक्षण में सहायक सिद्ध हो सकें। इससे खिलाड़ी और बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकेंगे। उन्होंने अपेक्षा की कि अपनी प्रतिभा के दम पर और बेहतर प्रदर्शन के लिये संकल्पित होकर खिलाड़ी निरन्तर प्रयत्नशील रहेंगे।

पुलिस बैंड प्रेरणा और अनुशासन का प्रतीक

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार प्रांगण में जनकल्याण पर्व पर आयोजित पुलिस बैण्ड के प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी पुलिस बैंड की परंपरा सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीयता, अनुशासन और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। चाहे वह स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'कदम-कदम बढ़ाए जा' की धुन हो या वैदिक काल के शंखनाद, संगीत ने हमेशा से हमारी संस्कृति और संघर्षों को दिशा दी है। बीते समय में पुलिस बैंड की इकाइयां धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही थीं। इसे पुन:जागृत करने के उद्देश्य से निर्णय लिया कि हर जिले में एक पुलिस बैंड होना चाहिए। यह न केवल हमारे सशस्त्र बल की गरिमा को बढ़ाता है, बल्कि त्योहारों, राष्ट्रीय पर्वों और विशेष

आयोजनों में देशभक्ति की भावना को भी जागृत करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी पुलिस केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है। कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में पुलिस ने अनुशासन और समर्पण का अद्भुत परिचय दिया। उनके इस प्रयास को प्रोत्साहित करना हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी पुलिस बैंड के प्रत्येक जवान को 10-10 हजार रुपये पुरस्कारस्वरूप देने की घोषणा भी की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अद्भुत आयोजन में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो
जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रधानमंत्री 25 दिसम्बर को खजुराहो में केन-बेतवा लिंक परियोजना की देंगे सौगात

पन्ना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन बेतवा लिंक परियोजना के 25 दिसंबर, 2024 को खजुराहो में प्रस्तावित भूमिपूजन के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल खजुराहो मेला ग्राउण्ड का निरीक्षण भी किया। बैठक में भोजन की व्यवस्था, बस व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, हितग्राहियों की संख्या, आसपास के जिले के लोगों को शामिल करने की व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। बैठक में सांसद श्री वी.डी. शर्मा, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जल अभियान से आमजन को जोड़ने के लिए संकल्प पत्र बांटे जाएं। उन्होंने एसपीजी की बैठक के उपरान्त समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा सांस्कृतिक कार्यक्रम ऐसे हों, जो मध्यप्रदेश के लोकल सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रदर्शित करें। बैठक में कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से कार्यक्रम के रूट चार्ट, कार्यक्रम स्थल एवं अन्य तैयारियों के ऊपर बिंदुवार प्रस्तुतीकरण दिया।

मुख्यमंत्री ने खजुराहो के मेला ग्राउंड कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री मोदी नई इबारत लिखने जा रहे हैं, जो नई घटना होगी और बुंदेलखंड के पूरे इलाके को सूखामुक्त करने के लिए भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने जो सपना देखा था उसे पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी आ रहे हैं। इस परियोजना से साढ़े आठ लाख से अधिक हेक्टेयर जमीन को सिंचाई का लाभ मिलेगा।

गांवों का समग्र विकास हमारी प्राथमिकता

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने प्रदेश भर से आए पंचायत प्रतिनिधियों से निवास पर मुलाकात की। उन्होंने कहा कि गांव का समग्र विकास हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सभी पंचायत भवन विहीन 1153 ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन स्वीकृत किए गए हैं। श्री पटेल ने कहा कि पुराने जर्जर पंचायत भवनों के संबंध में निर्णय लेने के लिए एक विशेष समिति गठित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आगामी पंचायत चुनाव तक कोई भी ग्राम पंचायत भवनविहीन न रहे।

श्री पटेल ने कहा कि पंचायतों को स्वावलंबी बनाने के लिए प्राथमिकताओं को चिह्नित करना चाहिए।

प्रत्येक पंचायत में श्मशान घाट हो और साथ ही गौ-वंश संरक्षण के लिए विशेष उपाय किए जाएं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने पौध-रोपण के दौरान सावधानी और सतर्कता बरतने और नियमित मॉनिटरिंग के लिए एक ठोस योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिनिधियों को ग्राम पंचायतों में कॅमर्शियल कॉम्पलेक्स बनाने के लिए सुझाव देने के लिए कहा।

बाणसागर महाविद्यालय अब कहलायेगा शहीद गोविंद प्रसाद मिश्रा महाविद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल में विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में हितलाभ वितरित किये

शहडोल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनकल्याण पर्व अन्तर्गत शहडोल जिले के ब्यौहारी में समारोह में देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों की शहादत को नमन करते हुए शासकीय महाविद्यालय बाणसागर ब्यौहारी का नामकरण शहीद गोविन्द प्रसाद मिश्रा के नाम पर करने की घोषणा की। साथ ही उनकी धर्मपत्नी को शासकीय नौकरी देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने समारोह में 31.68 करोड़ रुपये लागत के 22 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 320.7 करोड़ रुपये लागत के 40 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। साथ ही विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में हितलाभ भी वितरित किये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का परचम पूरे विश्व में लहरा रहा है। देश आर्थिक समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहा है। इंग्लैंड को पीछे छोड़ भारत देश आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा गया था कि 21वीं सदी भारत की होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसे चरितार्थ करके दिखाया है।

मध्यप्रदेश को प्रधानमंत्री के ***'हर हाथ को काम, हर खेत को पानी, जल ही जीवन'*** के मूल मंत्र से जोड़ा जाएगा। हमारे लिए यह हर्ष का विषय है कि प्रधानमंत्री 25 दिसम्बर को बुंदेलखंड क्षेत्र में केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना की सौगात देंगे।

राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से ***'मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान'*** चलाया जा रहा है। 40 दिनों तक चलने वाले इस अभियान में घर-घर सर्वे कर शासकीय योजनाओं से वंचित रहे पात्र नागरिकों को चिह्नित कर उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जायेगा।

- **जल ही जीवन के मूल मंत्र को अपनाकर देंगे हर हाथ को काम और हर खेत को पानी।**
- **जनकल्याण पर्व में घर-घर सर्वे कर पात्र हितग्राहियों को करेंगे लाभान्वित।**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक समृद्धि की ओर निरन्तर अग्रसर।**
- **मुख्यमंत्री ने दी 352 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात।**

फैक्ट फाइल

हर गरीब को आवास दिलाने के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना का हो रहा है संचालन

सपनों का घर बनाने में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की महत्वपूर्ण भूमिका

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है, देश में प्रत्येक व्यक्ति के अपने घर के सपने को पूर्ण करना। हर गरीब को आवास मिले इसके लिये प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की गई। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के रूप में संचालित की जा रही है। इस योजना का प्रथम चरण पूर्ण हो गया है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में दूसरे चरण के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मैदानी अमले को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये हैं। प्रदेश में नगरीय विकास तथा आवास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 की शुरुआत हो गई है। प्रदेश में जरूरतमंद हितग्राहियों के लिये 10 लाख आवास बनाये जायेंगे। योजना से विशेषकर उन लोगों के आवास बनाये जायेंगे, जिन्हें किसी कारणवश अब तक आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। इस योजना के पहले चरण के अमल में मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 की स्थिति

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के प्रथम चरण में 8 लाख 25 हजार जरूरतमंद हितग्राहियों के आवास का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 में 9 लाख 45 हजार आवास स्वीकृत किये गये थे।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के प्रथम चरण के अमल में मध्यप्रदेश देश भर में अग्रणी रहा है। इसके लिये मध्यप्रदेश और प्रदेश के कई नगरीय निकायों को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिले हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के प्रथम चरण में राज्य सरकार द्वारा कई नवाचार किये गये जिससे योजना का प्रभावी क्रियान्वयन संभव हुआ।

योजना में कितने आवास बनाये जायेंगे

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 में देश में एक करोड़ आवास और मध्यप्रदेश में 10 लाख आवास बनाये जाने का कार्यक्रम तैयार किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की राशि का आवंटन

प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए स्वीकृत आवासों के निर्माण कि लिये केन्द्रांश और राज्यांश की अनुदान राशि 19 हजार 700 करोड़ रुपये एवं क्रेडिट लिंक सब्सिडी स्कीम (सीएलएसएस) घटक के लिये ब्याज अनुदान के रूप में 3 हजार 900 करोड़ रुपये, इस प्रकार कुल राशि 23 हजार 600 करोड़ रुपये स्वीकृत की जा चुकी है। हितग्राहियों को अब तक 22 हजार 800 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री
आवास योजना
• मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 शुरू।
• प्रदेश में 10 लाख आवास बनाये जायेंगे।
• योजना में हितग्राहियों को 22 हजार 800 करोड़ रुपये की राशि जारी।
• योजना की जानकारी यूनिफाइड वेबपोर्टल पर उपलब्ध।
• शेष हितग्राहियों को आवास योजना का लाभ पहुंचाने का लक्ष्य।
योजना में प्राथमिकता
प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 में विशेष वर्गों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। इनमें पीएम स्वनीधि योजना, भवन निर्माण श्रमिक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पीएम विश्वकर्मा योजना के कारीगर, सफाईकर्मी और झुग्गी बस्ती में रहने वाले परिवार शामिल हैं।
प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 में आवेदन
प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के आवेदन संबंधी जानकारी नजदीकी नगरीय निकायों से प्राप्त की जा सकती है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये केन्द्र सरकार ने यूनीफाइड वेब पोर्टल पर भी जानकारी अपलोड की है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 में 4 प्रकार के घटक शामिल किये गये हैं। हितग्राही आवेदन करते समय अपनी पात्रता और आवश्यकता के अनुसार घटक का चयन कर सकते हैं। योजना संबंधी निर्देशिका https://pmay-mis.gov.in/PMAYMIS2_2023/PmayDefault.aspx पोर्टल से प्राप्त की जा सकती है।

योजना में प्राथमिकता

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 में विशेष वर्गों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। इनमें पीएम स्वनीधि योजना, भवन निर्माण श्रमिक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पीएम विश्वकर्मा योजना के कारीगर, सफाईकर्मी और झुग्गी बस्ती में रहने वाले परिवार शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 में आवेदन

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के आवेदन संबंधी जानकारी नजदीकी नगरीय निकायों से प्राप्त की जा सकती है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये केन्द्र सरकार ने यूनीफाइड वेब पोर्टल पर भी जानकारी अपलोड की है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 में 4 प्रकार के घटक शामिल किये गये हैं। हितग्राही आवेदन करते समय अपनी पात्रता और आवश्यकता के अनुसार घटक का चयन कर सकते हैं। योजना संबंधी निर्देशिका https://pmay-mis.gov.in/PMAYMIS2_2023/PmayDefault.aspx पोर्टल से प्राप्त की जा सकती है।

शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते है)

परस्तू अहमदी

बिना हिजाब गाने पर गायिका गिरफ्तार

ईरान में एक 27 वर्षीय गायिका परस्तू अहमदी को बिना

हिजाब पहने यूट्यूब पर एक वर्चुअल कॉन्सर्ट में परफॉर्मेंस देने के लिए गिरफ्तार किया गया है। परस्तू अहमदी को माजंदरान प्रांत के सारी शहर में हिरासत में लिया गया। कॉन्सर्ट में उन्हें स्लीवलैस काली पोशाक और खुले बाल में गाना गाते हुए देखा गया। उनके साथ के दो पुरुष संगीतकारों को भी तेहरान से गिरफ्तार कर लिया गया।

एंजेलिक अंगार्नी-फिलोपोन

मिस फ्रांस बनने वाली सबसे उम्रदराज प्रतिभागी बनीं

फ्रांस के कैरिबियाई द्वीप मार्टीनिक की एक 34 वर्षीय

फ्लाइट अटेंडेंट मिस फ्रांस प्रतियोगिता जीतने वाली 'सबसे उम्रदराज' प्रतियोगी बन गई हैं। एंजेलिक अंगार्नी-फिलोपोन ने उस नियम में बदलाव होने के कारण यह ताज जीता, जिसके तहत 24 साल से अधिक उम्र की महिलाओं के साथ-साथ विवाहित या मां बन चुकी महिलाओं को भी इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई।

डेविन न्युनेस

अमेरिका के इंटेलिजेंस एडवाइजरी बोर्ड प्रमुख नियुक्त

अमरीका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल के सीईओ डेविन न्युनेस को राष्ट्रपति के इंटेलिजेंस एडवाइजरी बोर्ड का प्रमुख नियुक्त किया है। न्युनेस इससे पहले अमरीका में हाउस इंटेलिजेंस समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं। एक अन्य नियुक्ति में रिचर्ड ग्रेनेल को विशेष मिशनों के लिए राष्ट्रपति के दूत के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। ट्रंप ने कहा कि ग्रेनेल 'शक्ति के माध्यम से शांति' के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। गौरतलब है कि ट्रुथ सोशल ट्रंप की सोशल मीडिया कंपनी है।

तुर्किये

सीरिया में अपना दूतावास पुनः खोलेगा

सीरिया की राजधानी दमिश्क में तुर्किये का दूतावास

वर्ष 2012 के बाद पहली बार फिर से खुलेगा। तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने यह जानकारी दी। तुर्किये के एनटीवी टेलीविजन को दिए एक साक्षात्कार में फिदान ने कहा कि नव नियुक्त अंतरिम प्रभारी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ दमिश्क के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह जल्द ही चालू हो जाएगा। ज्ञात रहे कि सीरियाई गृहयुद्ध के दौरान बढ़ती सुरक्षा स्थितियों के कारण दमिश्क स्थित दूतावास को वर्ष 2012 में बंद कर दिया गया था।

चेन्नई में

देश का पहला मधुमेह बायोबैंक स्थापित

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)

ने मद्रास मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन (एमडीआरएफ) के सहयोग से चेन्नई में देश का पहला मधुमेह बायोबैंक स्थापित किया है जो जनसंख्या-आधारित जैविक नमूनों का एक संग्रह है। बायोबैंक की स्थापना की प्रक्रिया लगभग दो साल पहले शुरू हुई थी। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एक लेख में बायोबैंक के विवरण और उद्देश्य को विस्तार से समझाया गया है। इस बायोबैंक को युवाओं में विभिन्न प्रकार की मधुमेह, जैसे टाइप 1, टाइप 2 और गर्भावधि मधुमेह के रक्त के नमूनों को भविष्य के अध्ययन और शोध के लिए संग्रहित किया गया है। बायोबैंक मधुमेह के कारणों, भारतीय मधुमेह की विविधताओं और संबंधित विकारों पर उन्नत शोध की सुविधा देगा।

फ्रांस्वा बायरू

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री नियुक्त

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 73 वर्षीय फ्रांस्वा

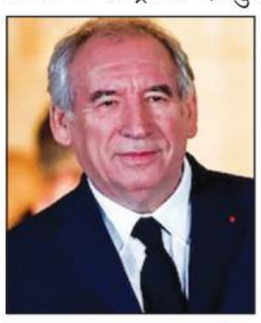

बायरू को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। बायरू को मध्यमार्गी नेता के तौर पर जाना जाता है। बायरू इस साल फ्रांस के चौथे प्रधानमंत्री हैं। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही फ्रांस की संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाने के बाद दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर को पद से हटना पड़ा था। इसके बाद से ही देश में राजनीतिक संकट पैदा हो गया था। बायरू 2017 में मैक्रों की बंपर जीत के बाद से ही उनके करीबी साथी रहे हैं।

मर्डू फर्नांडो

श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट की दूसरी महिला चीफ जस्टिस बनीं

डॉ. शिरानी भंडारनायके के बाद मर्डू फर्नांडो श्रीलंका

सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस बनने वाली दूसरी महिला बन गई हैं। उन्होंने न्याय के स्वतंत्र और निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में देश की न्यायपालिका की अखंडता, स्वतंत्रता और गरिमा को बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की प्रतिज्ञा की। डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार, चीफ जस्टिस मर्डू फर्नांडो ने यह टिप्पणी औपचारिक स्वागत समारोह में की। श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट ने देश के 48वें मुख्य न्यायाधीश के स्वागत के लिए समारोह का आयोजन किया। नवनिर्वाचित मुख्य न्यायाधीश मर्डू फर्नांडो का उच्चतम न्यायालय, अपील न्यायालय, उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों और मजिस्ट्रेट न्यायालयों के न्यायाधीशों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। चीफ जस्टिस मर्डू फर्नांडो ने कहा कि वह कानून के शासन को मजबूत करने और एक ऐसी न्यायपालिका का निर्माण जारी रखने के लिए तत्पर हैं जो न केवल निष्पक्ष हो बल्कि लोगों के लिए पारदर्शी, सुलभ और जवाबदेह भी हो।

बांग्लादेश

'जॉय बांग्ला' अब राष्ट्रीय नारा नहीं होगा

शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश

में कई बदलाव हो रहे हैं। इसी बीच, बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को नकार दिया, जिसमें 'जॉय बांग्ला' को बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया गया था। यह नारा पूर्व पीएम और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान द्वारा लोकप्रिय किया गया था। नई अंतरिम सरकार ने हाईकोर्ट के इस आदेश को निलंबित करने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

मिखाइल कावेलाशविली

जॉर्जिया के राष्ट्रपति नियुक्त

पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी मिखाइल कावेलाशविली को

जॉर्जिया का राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। 53 वर्षीय कावेलाशविली की नियुक्ति के बाद जॉर्जिया के सत्तारूढ़ दल 'जॉर्जियन ड्रीम पार्टी' ने देश में हुए हालिया चुनाव में संसद पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है। ज्ञात रहे कि 26 अक्टूबर को हुए चुनाव में जॉर्जियन ड्रीम पार्टी ने बहुमत हासिल किया था, लेकिन विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव में रूस की मदद से धांधली की गई थी। इन आरोपों के बाद पश्चिम समर्थक दलों और निवर्तमान राष्ट्रपति ने संसदीय सत्रों का बहिष्कार किया और चुनाव को फिर से कराने की मांग की।

भावेश जैन

ट्रांसयूनियन सिबिल के प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त

इनसाइट एवं इन्फोर्मेशन कंपनी ट्रांसयूनियन सिबिल ने

भावेश जैन को प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। भावेश पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ राजेश कुमार के महत्वपूर्ण कार्य को जारी रखेंगे, जिन्होंने हाल ही में पांच साल के कार्यकाल के बाद पद से इस्तीफा दे दिया है, जिसमें कोविड-19 और उसके बाद के कारोबार के लिए महत्वपूर्ण अवधि शामिल है। कुमार के निर्णय को मान्यता देते हुए, ट्रांसयूनियन सिबिल के चेयरमैन वी अनंतरामन ने कहा कि राजेश ने वित्तीय सेवाओं में 32 साल के निरंतर कॅरियर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

रेजा वलीजादेह

ईरानी मूल के अमेरिकी पत्रकार को हुई 10 साल जेल की सजा

ईरान की एक अदालत ने ईरानी मूल के अमेरिकी पत्रकार

रेजा वलीजादेह को शत्रु देश के साथ सहयोग करने का दोषी करार देते हुए 10 साल जेल की सजा सुनाई है। रेजा अमेरिकी सरकार द्वारा वित्त पोषित वॉयस ऑफ अमेरिका की फारसी भाषा सेवा के पूर्व पत्रकार हैं और उन्होंने रेडियो फर्दा के लिए भी काम किया है।

अभय कुमार

जॉर्जिया में भारतीय राजदूत नियुक्त

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के उप महानिदेशक पद

पर कार्यरत अभय कुमार को जॉर्जिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने यह जानकारी दी। कुमार वर्ष 2003 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह जल्द ही अपना पदभार संभालेंगे।

क्विके सेटियन

बीजिंग गुआन के मुख्य कोच नियुक्त

स्पेन के पूर्व फुटबॉलर क्विके सेटियन को बीजिंग गुआन का

मुख्य कोच नियुक्त किया गया है, चीनी सुपर लीग (सीएसएल) क्लब ने इसकी घोषणा की। वर्ष 1958 में जन्में सेटियन ने अपने खिलाड़ी कॅरियर की शुरुआत घरेलू टीम रेसिंग डी सैंटेंडर से की और रिटायरमेंट के बाद रियल बेटिस और बार्सिलोना सहित कई टीमों को कोचिंग दी। बीजिंग गुआन ने एक बयान में कहा कि कोच सेटियन के पास प्रचुर अनुभव है और वह युवा खिलाड़ियों को तैयार करने में अच्छे हैं। हमें विश्वास है कि वह नई ऊर्जा लाएंगे और टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। नवंबर में समाप्त हुए 2024 सीएसएल में बीजिंग गुआन 16 जीत, 8 ड्रॉ और 6 हार के साथ चौथे स्थान पर रहा।

हरमीत ढिल्लों

अमेरिका में सहायक अटॉर्नी जनरल नामित

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने

भारतीय मूल की हरमीत ढिल्लों को न्याय विभाग में नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल नामित किया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट ट्रुथ सोशल पर घोषणा की, मुझे अमेरिकी न्याय विभाग में नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में हरमीत ढिल्लों को नामित करते हुए खुशी हो रही है। ट्रंप ने कहा कि हरमीत देश के शीर्ष चुनावी पैरोकारों में से एक हैं, जो यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ रही हैं कि सभी और केवल वैध वोटों की गिनती की जाए। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा कि हरमीत सिख धार्मिक समुदाय की एक सम्मानित सदस्य हैं। न्याय विभाग में अपनी नयी भूमिका में हरमीत हमारे संवैधानिक अधिकारों की रक्षक होंगी।

स्मृति शेष

पद्मश्री से सम्मानित बैगा चित्रकार जोधइया बाई का निधन

दुनियाभर में अपनी चित्रकारी से उमरिया जिले को

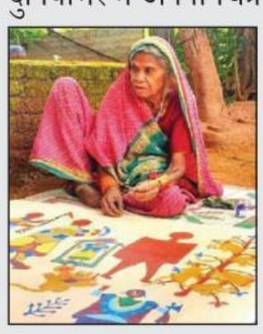

पहचान दिलाने वाली प्रसिद्ध बैगा आदिवासी चित्रकार और पद्मश्री सम्मानित जोधइया बाई बैगा का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बीते कुछ महीनों से वे बीमार थीं। उम्र अधिक होने और न्यूरो से संबंधित जटिलताओं के कारण उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आ रही थी।

पहली यक्षगान गायिका के. लीलावती का निधन

यक्षगान की पहली महिला भागवत (गायिका) के.

लीलावती बैपदिथ्या का निधन हो गया। वह 77 वर्ष की थीं। यक्षगान में अपने चालीस साल के सक्रिय कॅरियर में बैपदिथ्या ने सुब्रह्मण्य, पुत्तूर, कादरी, कर्नाटक, बप्पानाडु, कुंबले, तलकता और अलादंगडी जैसे यक्षगान मेलों में गायन किया।

फैशन ब्रांड मैंगो के संस्थापक इसाक एंडिक का निधन

मशहूर फैशन ब्रांड मैंगो के संस्थापक इसाक

एंडिक का 71 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे बार्सिलोना स्थित मोंटसेरट गुफाओं में परिवार के साथ घूमने गए थे। इसी दौरान पैर फिसलने से वे खाई में गिर गए। उनका जन्म तुर्किए में हुआ था और 60 के दशक में वे अपने परिवार के साथ स्पेन के कैटोलीनिया में बस गए थे।

तमिल फिल्म निर्देशक जयभारती का निधन

मशहूर तमिल फिल्म 'कुदिसाई' (द हट) के निर्देशक

और लेखक जयभारती का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण चेन्नई में निधन हो गया। 77 वर्षीय जयभारती को पहचान दिलाने वाली उनकी फिल्म 'कुदिसाई' वर्ष 1979 में रिलीज हुई थी और उन्होंने वर्ष 2010 में आखिरी फिल्म 'पुथिरन' का निर्देशन किया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र ग्वालियर म.प्र.

दूरभाष- 0751-4008851, Email : apdpiugwalior@gmail.com

निविदा सूचना क्रमांक : 11/2024/सा./एपीडी/ **ग्वालियर, दिनांक 12.12.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. ग्राम तमाशा जिला अशोकनगर में नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

ऑनलाइन निविदा क्रमांक	जिला	ठेके की अनु. लागत लाख में	अमानत राशि रु.	निविदा फार्म का मूल्य रु.	कार्य पूर्ण करने के लिये समय
2024 _PWPIU_388175_1	अशोकनगर	118.76 लाख	118760/-	12500/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. ग्राम मडी बुजूर्ग जिला अशोकनगर में नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388181_1	अशोकनगर	118.76 लाख	118760/-	12500/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. ग्राम सददूपुरा जिला छतरपुर में नवीन शासकीय प्राथमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388364 _1	छतरपुर	33.95 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. ग्राम संदानी जिला छतरपुर में नवीन शासकीय माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388374_1	छतरपुर	41.13 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. ग्राम टेडी कबारी जिला छतरपुर में नवीन शासकीय माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388371_1	छतरपुर	41.13 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. ग्राम छतरपुर जिला छतरपुर में नवीन शासकीय माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388368_1	छतरपुर	41.13 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. ग्राम बरूआ जिला छतरपुर में नवीन शासकीय माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388366_1	छतरपुर	41.13 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. ग्राम अक्टोना जिला छतरपुर में नवीन शासकीय माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388360_1	छतरपुर	33.95 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. ग्राम भिटारिया जिला छतरपुर में नवीन शासकीय माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388361_1	छतरपुर	33.95 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. ग्राम लखेरी जिला छतरपुर में नवीन शासकीय माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388363_1	छतरपुर	33.95 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. ग्राम हर्राई जिला छतरपुर में नवीन शासकीय माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388362_1	छतरपुर	33.95 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 12. लोक निर्माण विभाग (भवन) संभाग छतरपुर के अंतर्गत परफोरमेंस गारन्टी के कार्य, ठेकेदारों द्वारा छोड़े गये कार्य एवं राशि रु. 50.00 लाख से कम प्रशासकीय स्वीकृति के कार्यों हेतु जोनल निविदा। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388017_1	छतरपुर	90.00 लाख	90000/-	10000/-	12 माह

13. लोक निर्माण विभाग (भवन) संभाग छतरपुर के अंतर्गत शासकीय कार्य हेतु वाहन किराये पर अनुबंध करने हेतु निविदा। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_387926_1	छतरपुर	5.64 लाख	20000/-	2000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 14. लोक निर्माण विभाग (भवन) संभाग दतिया के अंतर्गत भाण्डेर जिला दतिया में संयुक्त एस.डी. एम. कार्यालय हेतु गोदरेज कंपनी का फर्नीचर सप्लाई एवं स्टोलेशन कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388403_1	दतिया	92.31 लाख	92310/-	10000/-	03 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 15. ग्राम धोंधा जिला मुरैना में नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388201_1	मुरैना	119.65 लाख	119650/-	12500/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 16. ग्राम धरसोला जिला मुरैना में नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388213_1	मुरैना	119.65 लाख	119650/-	12500/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 17. ग्राम नयापुरा जिला मुरैना में नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388172_1	मुरैना	119.65 लाख	119650/-	12500/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 18. ग्राम करजोनी जिला मुरैना में नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388186_1	मुरैना	119.65 लाख	119650/-	12500/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 19. लोक निर्माण विभाग (भवन) संभाग मुरैना के अंतर्गत शासकीय कार्य हेतु वाहन किराये पर अनुबंध करने हेतु निविदा। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388164_1	मुरैना	5.28 लाख	10000/-	2000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 20. मुरैना जिला मुरैना में रेनबसेरा हेतु भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_387773_1	मुरैना	452.16 लाख	452160/-	15000/-	18 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 21. लोक निर्माण विभाग (भवन) संभाग मुरैना के अंतर्गत, मुरैना जिला मुरैना में संयुक्त तहसील एवं संयुक्त एस.डी.एम. कार्यालय हेतु गोदरेज कंपनी का फर्नीचर सप्लाई एवं स्टोलेशन कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388128_1	मुरैना	212.72 लाख	221720/-	15000/-	06 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 22. लोक निर्माण विभाग (भवन) संभाग शिवपुरी के अंतर्गत टप्पा तहसील कार्यालय खरई एवं थरा, संयुक्त तहसील कार्यालय पिछोर रन्नौद जिला शिवपुरी हेतु गोदरेज कंपनी का फर्नीचर सप्लाई एवं स्टोलेशन कार्य। प्रथम आमंत्रण

2024 _PWPIU_388224_1	शिवपुरी	171.29 लाख	171290/-	12500/-	03 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 23. निवाड़ी जिला निवाड़ी में नवीन शासकीय प्राथमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388341_1	टीकमगढ़	33.95 लाख	50000/-	5000/-	06 माह

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) बैतूल
जिला-बैतूल, मध्यप्रदेश

E-mail : actw.btl@mp.gov.in, Phone No. : (07141) 234343 (O)

क्रमांक/निर्माण/4/2024-25/7083 **बैतूल, दिनांक : 12.12.2024**

ई-निविदा विज्ञप्ति
निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 03/2024-25

विभागीय संस्थाओं में निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर निविदा फार्म ''ए'' पर लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न तालिका में अंकित लघु निर्माण एवं विद्युतीकरण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की भवन निर्माण एवं विद्युत कार्य हेतु प्रचलित दर सूची 01.01.2024 से प्रचलित प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित है पर निम्नांकित कार्यों की (जोनल निविदा) जारी होने के दिनांक से एक वर्ष हेतु निम्न विवरण अनुसार कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग बैतूल (म.प्र.) में दिनांक 03.01.2025 सायं 5.30 बजे तक केवल ऑनलाइन पद्धति से बिड आमंत्रित की जाती है :–

क्र. एवं कार्य का नाम :– **1.** जिला बैतूल अंतर्गत जनजातीय एवं अनुसूचित जाति छात्रावास, आश्रम एवं शाला भवनों में वार्षिक मरम्मत, सुदृढ़ीकरण, लघुनिर्माण, बाउण्ड्रीवॉल अतिरिक्त कक्ष एवं अन्य निर्माण कार्य।

सिस्टम टेण्डर नम्बर	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु.	कार्य पूर्णता अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
2024 _TAD_ 388398_1	150.00	1,50,000/-	12,500/-	03 माह प्रत्येक कार्य हेतु वर्षाऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केन्द्रीयकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु पंजीयन/विद्युतीकरण कार्य हेतु पंजीयन एवं 'बी' क्लास का लायसेंस

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. जिला बैतूल अंतर्गत जनजातीय एवं अनुसूचित जाति छात्रावास, आश्रम एवं शाला भवनों में आंतरिक विद्युतीकरण कार्य।

2024 _TAD_ 388402_1	50.00	50,000/-	5,000/-	03 माह प्रत्येक कार्य हेतु वर्षाऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केन्द्रीयकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु पंजीयन/विद्युतीकरण कार्य हेतु पंजीयन एवं 'बी' क्लास का लायसेंस

उपरोक्त कार्य के निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) **https://www.mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन भुगतान कर क्रय एवं प्रस्तुत किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय एवं प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 03.01.2025 सायं 5.30 बजे** तक निर्धारित है। विस्तृत सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त

जी-20481/50358/2024 **जनजातीय कार्य विभाग बैतूल**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 18/मु.अ./ (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2024-25 **भोपाल, दिनांक : 17.12.2024**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. रीवा जिले के चिल्ला से त्योंथर मार्ग में मीरबहरी घाट पर टमस नदी पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2024 _PWDRB_388789_1	रीवा	पुल कार्य	द्वितीय	2243.10	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. हरदा जिले के अंतर्गत बिचोला से खरदाना मार्ग में अजनाल नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2024 _PWDRB_388790_1	हरदा	पुल कार्य	षष्ठः	1267.52	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. आगर मालवा जिले के अंतर्गत बगलामुखी माता मंदिर के समीप लखुन्दर नदी पर पहुंच मार्ग सहित एल.टी. 11 के.व्ही./33 के.व्ही. उच्चस्तरीय लाइन शिफ्टिंग एवं स्ट्रीट लाइन कार्य सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2024 _PWDRB_388791_1	आगर-मालवा	पुल कार्य	तृतीय	1070.66	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. राजगढ़ जिले में लिंबोदा कुण्डालिया मार्ग में कालीसिंध नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल का शेष निर्माण कार्य।

2024 _PWDRB_388792_1	राजगढ़	पुल कार्य	द्वितीय	797.67	केवल ऑनलाइन
			कुल योग	**5378.95**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 07.01.2025 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-20456/50357/2024 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र, भोपाल**

क्र. एवं कार्य का नाम :– 24. ग्राम सीतापुर जिला टीकमगढ़ में नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388326_2	टीकमगढ़	119.78 लाख	119780/-	12500/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 25. ग्राम लारखुर्द जिला टीकमगढ़ में नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388287_1	टीकमगढ़	119.78 लाख	119780/-	12500/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 26. ग्राम रामपुरा जिला टीकमगढ़ में नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_388301_1	टीकमगढ़	119.78 लाख	119780/-	12500/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 27. सतगुंवा जिला टीकमगढ़ शासकीय कन्या हाईस्कूल भवन में 03 नग लैब एवं 04 नग अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण।

2024 _PWPIU_387867_1	टीकमगढ़	100.41 लाख	100410/-	12500/-	09 माह

(1) निविदा से संबंधित डॉक्यूमेंट website **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

(2) निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन पोर्टल पर ऑनलाइन किये जावेंगे, समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(3) ऑनलाइन निविदा सबमिट करने की अंतिम दिनांक **27.12.2024**

(4) तकनीकी बिड खोलने का दिनांक 30.12.2024

मुख्य अभियंता (भवन)

जी-20415/50356/2024 **लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र ग्वालियर**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

केन्द्रीय बजट 2024-25 पर आधारित प्रश्न

1. केन्द्रीय बजट में किन समूहों पर ध्यान केन्द्रित करने पर जोर दिया गया है?
अ. गरीब ब. महिलायें
स. युवा द. अन्नदाता
इ. उपरोक्त सभी
उत्तर- इ. उपरोक्त सभी

2. सभी के लिये भरपूर अवसर का सृजन करने के लिये कितनी प्राथमिकताओं की परिकल्पना बजट में की गई है?
अ. 9 ब. 8
स. 7 द. 6
उत्तर- अ. 9

3. वित्त वर्ष 2024-25 के बजटीय अनुमान के अनुसार राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का कितने प्रतिशत होने की संभावना है?
अ. 6 ब. 4.9
स. 4.8 द. 4.5
उत्तर- ब. 4.9

4. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वास्तविक दर कितने प्रतिशत रहने कर अनुमान है?
अ. 8.2 ब. 9.6
स. 8.5 द. 9
उत्तर- अ. 8.2

5. वर्ष 2023-24 में औसत खुदरा मुद्रास्फीति कितने प्रतिशत पर आ गई है?
अ. 6.7 ब. 5.4
स. 5.8 द. 6
उत्तर- ब. 5.4

6. केन्द्रीय बजट के अनुसार 2024-25 में राजस्व घाटा कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है?
अ. 1.2 ब. 1.4
स. 1.8 द. 1.9
उत्तर- स. 1.8

7. प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत कितने लाख करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा गया है?
अ. 100 ब. 10
स. 20 द. 30
उत्तर- ब. 10
व्याख्या- इस निवेश से एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की घर संबंधी आवश्यकता को पूरा किया जायेगा।

8. जल आपूर्ति, सीवेज ट्रीटमेंट और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं को कितने शहरों में लागू करने का विचार है?
अ. 10 ब. 20
स. 50 द. 100
उत्तर- द. 100

9. इस वर्ष के बजट में काशी विश्वनाथ मंदिर गलियारा मॉडल के अनुरूप किन मंदिरों के समग्र विकास की परिकल्पना की गई है?
अ. गया स्थित विष्णुपद मंदिर
ब. बोध गया का महाबोधि मंदिर
स. उज्जैन का महाकाल मंदिर
द. अ एवं ब
उत्तर- द. अ एवं ब

10. 'वात्सल्य' योजना है?
अ. पेंशन योजना
ब. झूलाघर योजना
स. बाल सुधार गृह योजना
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- अ. पेंशन योजना
व्याख्या- इसके तहत माता-पिता अपने अवयस्क बच्चों के लिये एनपीएस खाता खोलकर अंशदान कर सकेंगे।

11. सरकार की योजनाओं और नीतियों के अधीन किसी लाभ के पात्र नहीं होने पर युवाओं को सहायता के लिये तथा उच्चतर शिक्षा के लिये कितने लाख रुपये तक के ऋण की घोषणा बजट में की गई है?
अ. 10 ब. 15
स. 20 द. 25
उत्तर- अ. 10
व्याख्या- इस योजना में प्रतिवर्ष 1 लाख छात्रों को प्रत्यक्ष रूप से ऋण राशि के 3 प्रतिशत वार्षिक ब्याज छूट के ई-वाउचर दिये जायेंगे।

12. अगले 10 वर्षों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को 5 गुना तक बढ़ाने के लिये एक वेंचर केपीटल फंड स्थापित किया जायेगा यह कितने करोड़ रुपये का होगा?
अ. 80 ब. 800
स. 10 द. 1000
उत्तर- द. 1000

13. बजट में कृषकों की खेती बाड़ी के लिये फसलों की उच्च उपज वाली किस्मों तथा जलवायु अनुकूल नई किस्मों को जारी करने की घोषणा की गई है?
अ. 109,32 ब. 32,109
स. 100,100 द. 109,109
उत्तर- अ. 109,32

14. प्रधानमंत्री पैकेज के तहत पांच वर्षों में कितनी शीर्ष कम्पनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान करके युवाओं की रोजगार क्षमता और कौशल विकास को बढ़ावा दिया जायेगा?
अ. 500 ब. 200
स. 300 द. 600
उत्तर- अ. 500
व्याख्या- इस कार्यक्रम में 12 महीने का वास्तविक जीवन का व्यावसायिक अनुभव होगा तथा 5000/- महीने की इंटर्नशिप भत्ता प्राप्त होगा।

15. बजट में जनजातीय समुदाओं की सामाजिक आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिये प्रधानमंत्री जनजाति उन्नत ग्राम अभियान की घोषणा की गई है। इस पहल में कितने गांव सम्मिलित होंगे?
अ. 50,0000 ब. 63,000
स. 70,000 द. 80,000
उत्तर- ब. 63,000
व्याख्या- 5 करोड़ आदिवासी लोग इससे लाभान्वित होंगे।

16. केन्द्रीय बजट में कैंसर की दवा- ट्रैस्टुजुमैब को सीमा शुल्क से छूट दी गई है। यह दवा कौन से कैंसर में प्रयुक्त होती है?
अ. स्तन कैंसर
ब. फेफड़ों के कैंसर
स. पित्त नली का कैंसर
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- अ. स्तन कैंसर
व्याख्या- ओसिमर्टिनिव- जो फेंफड़ों के कैंसर तथा डुरवालुमैन, जो पित्त की नली के कैंसर में प्रयुक्त होती है, को भी सीमा शुल्क से छूट दी गई है।

17. प्रधानमंत्री पैकेज के तहत चौथी योजना में 5 साल की अवधि में कितने लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा?
अ. 20 ब. 30
स. 40 द. 50
उत्तर- अ. 20

18. केन्द्रीय बजट में मुद्रा लोन की सीमा को बढ़ाया गया है नई सीमा है?
अ. 20 लाख रुपये
ब. 10 लाख रुपये
स. 30 लाख रुपये
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. 20 लाख रुपये

19. खरीददारों को ट्रेड्स प्लेटफार्म पर अनिवार्य रूप से सम्मिलित करने के लिये कारोबार (एमएसएमई) की सीमा को 500 करोड़ से घटाकर कितना कर दिया गया है?
अ. 300 करोड़ रुपये
ब. 250 करोड़ रुपये
स. 400 करोड़ रुपये
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब. 250 करोड़ रुपये

20. ईपीएफओ में पंजीकृत पहली बार रोज़गार पाने वाले कर्मचारियों को एक महीने के वेतन का प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तीन किस्तों में किया जावेगा। यह अधिकतम कितनी राशि होगी?
अ. 10,000 ब. 12000
स. 15000 द. 2000
उत्तर- स. 15000
व्याख्या- इस योजना से 210 लाख युवाओं को लाभ होगा।

21. केन्द्रीय बजट के अनुसार सभी वित्तीय एवं गैर वित्तीय परिसंपत्तियों पर दीर्घ अवधि के लाभों पर कितने प्रतिशत कर लगना प्रास्तावित है?
अ. 20 ब. 15
स. 12.5 द. 10
उत्तर- स. 12.5
व्याख्या- कैपिटल गेन की छूट की सीमा को भी 1 लाख रुपये से बढ़कर 1.25 लाख रुपये कर दिया गया है।

22. केन्द्रीय बजट के अनुसार सरकार का सबसे ज्यादा पैसा किस मद में खर्च होता है?
अ. ब्याज ब. परिवहन
स. रक्षा द. अनुदान
उत्तर- अ. ब्याज

23. विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिये विदेशी कंपनियों पर कॉरपोरेट कर की दर को 40 प्रतिशत से घटाकर कितना कर दिया गया है?
अ. 20 ब. 25
स. 35 द. 37
उत्तर- स. 35

24. देश के कितने जिलों में डीपीआई (डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना) का उपयोग करते हुये खरीफ फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण किया जायेगा?
अ. 400 ब. 500
स. 300 द. 600
उत्तर- अ. 400

25. कितने राज्यों में जन समर्थ आधारित किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये जायेंगे?
अ. 10 ब. 7
स. 6 द. 5
उत्तर- द. 5

26. बजट में एनपीएस में नियोक्ता द्वारा किये जा रहे योगदान को कर्मचारी के वेतन के 10 प्रतिशत से बढ़ाकर कितने प्रतिशत करने का प्रस्ताव है?
अ. 14 ब. 12
स. 11 द. 15
उत्तर- अ. 14

27. 'प्लग एंड प्ले' औद्योगिक पार्क कितने शहरों में विकसित होंगे?
अ. 50 ब. 70
स. 80 द. 100
उत्तर- द. 100

28. केन्द्रीय बजट के बाद स्वर्ण और चांदी के दामों में कमी अनुभव की गई। यह दोनों पर सीमा शुल्क घटाने से संभव हुआ। सीमा शुल्क घटाकर कितने प्रतिशत करने का प्रस्ताव है?
अ. 6 ब. 6.5
स. 7 द. 7.5
उत्तर- अ. 6

29. 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली' योजना के अतंर्गत कितने करोड़ पंजीयन हुये?
अ. 1.4 ब. 1.28
स. 7 द. 7.5
उत्तर- ब. 1.28
व्याख्या- इस योजना के तहत 14 लाख आवेदन प्राप्त हुये।

30. केन्द्रीय राजस्व का सबसे अधिक भाग किस मद से आता है?
अ. निगम कर
ब. जीएसटी और अन्य कर
स. आय कर
द. सीमा शुल्क
उत्तर- ब. जीएसटी और अन्य कर

31. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिये इस बजट में कितनी राशि का प्रावधान किया गया है?
अ. 1.52 लाख करोड़ रुपये
ब. 1.4 लाख करोड़ रुपये
स. 1.82 लाख करोड़ रुपये
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. 1.52 लाख करोड़ रुपये

32. बजट में घोषित नई योजना पूर्वोदय में कौन-कौन से राज्य सम्मिलित हैं?
अ. बिहार
ब. झारखंड
स. पश्चिम बंगाल
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

33. पोलवरम् सिंचाईं परियोजना किस राज्य की जीवन रेखा है?
अ. आंध्रप्रदेश ब. बिहार
स. केरल द. तमिलनाडू
उत्तर- अ. आंध्रप्रदेश

34. भारतीय डाक भुगतान बैंक की 100 से अधिक शाखायें किस क्षेत्र में स्थापित किए जाने का प्रावधान है?
अ. पश्चिम ब. पूर्व
स. उत्तर द. दक्षिण
उत्तर- ब. पूर्व

35. ग्रामीण विकास के लिये इस बजट में कितने लाख करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है?
अ. 2.66 ब. 1.52
स. 1.82 द. 2.58
उत्तर- अ. 2.66

36. एमएसएमई को आवधिक ऋण की सुविधा देने के लिये एक ऋण गारंटी योजना प्रारंभ की जायेगी। यह कितने करोड़ रुपये का गारंटी कवर देगी?
अ. 100 ब. 150
स. 200 द. 250
उत्तर- अ. 100

37. केन्द्रीय बजट में प्राथमिक घाटा वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद का कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है?
अ. 2.3 ब. 2.0
स. 1.4 द. 1.2
उत्तर- स. 1.4

38. इस वर्ष के केन्द्रीय बजट के मुख्य विषय हैं?
अ. रोज़गार
ब. कौशल प्रशिक्षण
स. एमएसएमई
द. मध्यम वर्ग
इ. उपरोक्त सभी
उत्तर- इ. उपरोक्त सभी

39. प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये कितने आवश्यकता आधारित जैव आदान-संसाधन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव केन्द्रीय बजट में है?
अ. 5000 ब. 10,000
स. 15000 द. 20,000
उत्तर- ब. 10,000

40. अगले 2 वर्षों में कितने करोड़ कृषकों को प्रमाण पत्र और ब्रांडिंग द्वारा सहायता देकर प्राकृतिक कृषि प्रारंभ की जायेगी?
अ. एक ब. दो
स. तीन द. चार
उत्तर- अ. एक

41. झींगा खेती, प्रसंस्करण और निर्यात के लिये किसके माध्यम से वित्त पोषण की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी?
अ. सहकारी बैंक ब. नाबार्ड
स. रिज़र्व बैंक द. उपरोक्त सभी
उत्तर- ब. नाबार्ड

42. अवसंरचना के विकास के लिये बजट में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का कितने प्रतिशत का प्रावधान किया गया है?
अ. 3.4% ब. 4.3%
स. 4.8% द. 5.8%
उत्तर- अ. 3.4%

43. केन्द्रीय बजट में निवेशकों के सभी वर्गों के लिये कौन से कर को समाप्त करने की घोषणा की गई है?
अ. धन कर
ब. पूंजीगत कर
स. एंजेल कर
द. आय कर
उत्तर- स. एंजेल कर

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

सुशासन दिवस : 25 दिसंबर

सुशासन का उद्देश्य आम आदमी का जीवन सुगम बनाना

"उजियारे में, अंधकार में,
कल-कहार में, बीच धार में,
घोर घृणा में, पूत प्यार में,
क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में,
जीवन के शत-शत आकर्षक,
अरमानों को ढलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा..."

ये पंक्तियां भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की हैं। उनकी जयंती को हम सब सुशासन दिवस के तौर पर मनाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री वाजपेयी सिर्फ जननेता ही नहीं, बल्कि एक प्रखर वक्ता और ओजस्वी कवि भी थे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर सुशासन की शपथ भी दिलायी जाती है। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रदेश में सुशासन के उच्चतम मापदंडों को स्थापित करने के लिए, शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी, जनकल्याण केन्द्रित तथा जवाबदेह बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने एवं प्रदेश के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लक्ष्य को पाने के लिए सदैव तत्पर रहने की शपथ दिलायी जाती है। इस वार्षिक आयोजन का उद्देश्य शासन और सरकारी प्रक्रियाओं में जवाबदेही के संबंध में नागरिक जागरूकता बढ़ाना है।

सुशासन क्या है?

सुशासन की अवधारणा चाणक्य के युग में भी मौजूद थी। उन्होंने अर्थशास्त्र में इसका विस्तार से उल्लेख किया। नागरिक केंद्रित प्रशासन सुशासन की नींव पर आधारित होता है। भगवद्गीता सुशासन, नेतृत्त्व, कर्तव्यपरायणता और आत्मबल को कई प्रकार से संदर्भित करती है जिनकी आधुनिक संदर्भ में पुनः व्याख्या की जा सकती है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में राजा के कार्यों में 'लोगों के कल्याण' को सर्वोपरि माना गया। महात्मा गांधी ने 'सुराज' पर जोर दिया है जिसका मतलब है 'सुशासन'। भारतीय संविधान में शासन के महत्व को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया है जो कि संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष एवं लोकतांत्रिक गणराज्य पर आधारित है, साथ ही लोकतंत्र, कानून का शासन और लोगों के कल्याण के लिये प्रतिबद्ध है। सतत् विकास लक्ष्यों के तहत 'लक्ष्य 16' को सीधे तौर पर सुशासन से जुड़ा हुआ माना जा सकता है, क्योंकि यह शासन, समावेशन, भागीदारी, अधिकारों एवं सुरक्षा में सुधार के लिये समर्पित है।

सुशासन को मूल्यों के एक समूह के रूप में परिभाषित किया गया है जिसके माध्यम से एक सार्वजनिक संस्थान सार्वजनिक मामलों का संचालन करती है तथा सार्वजनिक संसाधनों का प्रबंधन इस तरह से करती है जो मानवाधिकारों, विधि सम्मत शासन एवं समाज की जरूरतों के अनुरूप हो। सुशासन को 'विकास के लिये देश के आर्थिक एवं सामाजिक संसाधनों के प्रबंधन में शक्ति का प्रयोग करने के तरीके' के रूप में परिभाषित किया गया है। विश्व बैंक सुशासन को उन परंपराओं तथा संस्थानों के संदर्भ में परिभाषित करता है जिनके द्वारा किसी देश में प्राधिकार का प्रयोग किया जाता है। इनमें शामिल हैं : वह प्रक्रिया जिसके द्वारा सरकारों का चयन, निगरानी तथा प्रतिस्थापन किया जाता है। प्रभावी नीतियों को प्रभावी ढंग से तैयार कर उन्हें कार्यान्वित करने की सरकार की क्षमता। उन संस्थानों के प्रति नागरिकों तथा राज्य का सम्मान जो उनके बीच आर्थिक एवं सामाजिक संबंधों को नियंत्रित करते हैं।

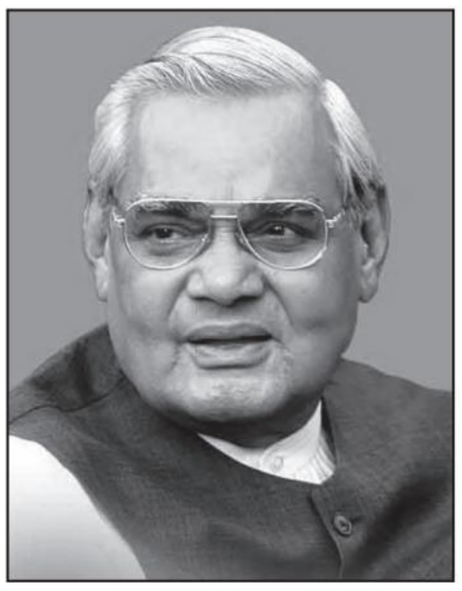

सुशासन सप्ताह : इस बार 'प्रशासन गांव की ओर 2024'

हर वर्ष सुशासन सप्ताह भी मनाया जाता है। इस बार मध्यप्रदेश में 19 से 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह के अंतर्गत 'प्रशासन गांव की ओर 2024' अभियान को मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के साथ साझा कर संचालित किया गया। इसमें जनसमस्याओं का निराकरण कर अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। सभी जिला कलेक्टर को पोर्टल पर अपने जिले में तीन नवाचारों, सुशासन पहलों पर संक्षिप्त लेख तैयार कर उसकी गुणवता सुनिशित करने के निर्देश दिए गए थे।

संयुक्त राष्ट्र ने बताए हैं सुशासन के ये 8 सिद्धांत

1. **भागीदारी :** लोगों को वैध संगठनों या प्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी राय देने में सक्षम होना चाहिये। इसमें पुरुष एवं महिलाएं, समाज के कमज़ोर वर्ग, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक आदि शामिल हैं। भागीदारी का तात्पर्य संघ एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी है।
2. **कानून का शासन :** कानूनी ढांचे को निष्पक्ष रूप से लागू किया जाना चाहिये।
3. **आम सहमति उन्मुख :** आम सहमति उन्मुख निर्णय लेने से यह सुनिश्चित होता है कि हर किसी की सामान्य न्यूनतम जरूरत पूरी की जा सकती है जो किसी के लिये हानिकारक नहीं होगा। यह एक समुदाय के सर्वोत्तम हितों को पूरा करने के लिये व्यापक सहमति के साथ-साथ विभिन्न हितों की मध्यस्थता करता है।
4. **न्यायसंगत एवं समावेशी :** सुशासन एक समतामूलक समाज के निर्माण का आश्वासन देता है। लोगों के पास अपने जीवन स्तर में सुधार करने या उसे बनाए रखने का अवसर होना चाहिये।
5. **प्रभावशीलता एवं दक्षता :** विभिन्न संस्थानों को अपने समुदाय की जरूरतों को पूरा करने वाले परिणाम उत्पन्न करने में सक्षम होना चाहिये। समुदाय के संसाधनों का उपयोग अधिकतम उत्पादन के लिये प्रभावी रूप से किया जाना चाहिये।
6. **जवाबदेही :** सुशासन का उद्देश्य लोगों की बेहतरी पर आधारित है और यह सरकार के बिना लोगों के प्रति जवाबदेह नहीं हो सकता है। सरकारी संस्थानों, निजी क्षेत्रों और नागरिक संगठनों को सार्वजनिक एवं संस्थागत हितधारकों के प्रति जवाबदेह ठहराया जाना चाहिये।
7. **पारदर्शिता :** आवश्यक सूचनाएं जनता के लिये सुलभ हों और उनकी निगरानी होनी चाहिये। पारदर्शिता का मतलब मीडिया पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण न हो और लोगों तक सूचनाओं की पहुंच भी हो।
8. **अनुक्रियाशीलता :** संस्थानों और प्रक्रियाओं द्वारा उचित समय में सभी हितधारकों को सेवाएं प्रदान की जानी चाहिये।

प्रदेश में सुशासन की दिशा में हुए ये उल्लेखनीय कार्य

- साइबर तहसील से नामांतरण और बंटवारा जैसे राजस्व प्रकरणों का ऑनलाइन निराकरण प्रारंभ किया गया।
- संपत्ति की ई-पंजीयन एवं ई-स्टेम्पिंग के माध्यम से रजिस्ट्री हेतु संपदा 2.0 शुरू किया।
- थानों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण का कार्य किया गया।
- जिला, संभाग, तहसील आदि की सीमाओं के पुनः निर्धारण एवं नियुक्तिकरण के लिए एक पृथक प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग गठित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सुशासन के लिए संकल्पबद्ध मध्यप्रदेश सरकार ने प्रशासन को जनोन्मुखी बनाया है। नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए समाधान एक दिन तत्काल सेवा, सीएम हेल्पलाइन 181 कॉल सेन्टर, महिला हेल्पलाइन, सीएम जन सेवा, दिव्यांग हेल्पलाइन समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम जनोन्मुखी प्रशासन का उदाहरण हैं। इसमें राज्य लोक सेवा अभिकरण में लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के क्रियान्वयन के साथ-साथ लोक सेवा केन्द्रों की स्थापना और संचालन का सीएम हेल्पलाइन कॉल सेंटर का संचालन और सीएम डैशबोर्ड का संचालन भी शामिल है।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

'टेलोमियर' को साधिये जनाब!

क्या आप टेलोमियर को जानते हैं? शायद नहीं। यह अचरज की बात नहीं है, अलबत्ता आपको उसे जानना चाहिये। टेलोमियर को जानना मानव-जीवन के एक कीमती रहस्य को जानना है। मनुष्य के जीवन का एक बड़ा भेद टेलोमियर से जुड़ा हुआ है। टेलोमियर का अस्तित्व उतना ही पुराना है, जितना इस धरती पर मनुष्य का उद्भव। टेलोमियर मनुष्य के गुणसूत्र का अविभाज्य अंग है। गुणसूत्र है, तो टेलोमियर है। बिना उसके आप गुणसत्र अर्थात क्रोमोसोम्स की कल्पना नहीं कर सकते।

वर्ष 2009 में तीन वैज्ञानिकों एलिजाबेथ ब्लैकबर्न, कैरोल ग्रेइडर और जैक डब्लू जोस्ताक को इस खोज के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया कि गुणसुत्र, टेलोमियर और एंजाइम टेलोमिरेज द्वारा किस प्रकार संरक्षित रहते हैं। टेलोमियर जहां गुणसूत्र का ऊपरी हिस्सा है, वहीं टेलोमिरेस तत्संबंधित एन्जाइम। ब्लैकबर्न, जैक और कैरोल की यह खोज बड़ी सनसनीखेज थी और इसने मनुष्य की जरा या वृद्धावस्था के रहस्य को बखूबी उद्घाटित कर दिया।

क्रोमोसोम के ऊपरी छोर पर स्थित टेलोमियर नामक टोपीनुमा संरचना की खोज क्या हुई, वृद्धावस्था और कैंसर से जुड़े अनुसंधान में नये सिरे से तेजी आ गयी। इसकी परिधि में बुढ़ापे की रोकथाम और कैंसर के उपचार के उपाय भी शरीक थे। वस्तुत: मामला कोशिकाओं के विखंडन से जुड़ा हुआ है। क्रोमोसोमों के लिये टेलोमियरों की सलामती मायने रखती है। यदि टेलोमियर सलामत है, तो गुणसूत्र बचे रहते हैं। उम्र के साथ टेलोमियर आपदाग्रस्त होते हैं। वे सिकुड़ते हैं यानी आकार में छोटे होते हैं, तो समझ लीजिये कि शरीर में बुढ़ापा व्याप रहा है। उनका कद बचा रहे या धीमी गति से घटे तो समझ लीजिये कि बुढ़ापे के आपके पास फटकने में देर है अथवा वह दबे पांव आहिस्ता-आहिस्ता आयेगा। इस संदर्भ में ब्लैकबर्न का कथन प्राय: उदधृत किया जाता है। उन्होंने कहा था- "It is about keeping healthier for longer" वैज्ञानिकों की टीम ने लंबे समय से अनुत्तरित इस यक्ष-प्रश्न का उत्तर खोज लिया था कि क्या लंबे टेलोमियर वाले लोग लंबे समय तक जीवित और स्वस्थ रहते हैं? यद्यपि यह सच है कि सिर्फ टेलोमेयर ही दीर्घायु को निर्धारित नहीं करते, किन्तु जरा और आयुष्य में उनकी प्रभावी भूमिका से अनेक लंबित जिज्ञासाओं का समाधान मिल गया। जब टेलोमियरो की लंबाई यानि कद के आधार पर लोगों को दो समूहों में वर्गीकृत किया गया तो यह पाया गया कि लंबे टेलोमियरधारी छोटे टेलोमियरधारियों की तुलना में औसतन पांच साल ज्यादा जीते हैं।

हम जानते हैं कि कोशिका के नाभिक के भीतर जीन्स डीएनए के सर्पिल दोहरे रज्जुक अणुओं के साथ व्यवस्थित रहते हैं। इन्हीं गुणसूत्रों के ऊर्ध्व सिरों पर डीऑक्सीराबो न्यूक्लियक अम्ल (डीएनए) से निर्मित टेलोमियर रूपी खंड होते हैं, जो हमारे आनुवांशिक, डाटा की रक्षा करते हैं और कोशिकाओं के विभाजन को संभव बनाते हैं। वैज्ञानिकों ने अनुसंधान से पाया कि इन्हीं ऊर्ध्व-खंडों या किरीटों में बुढ़ापे और कैंसर के रहस्य छिपे हुए हैं। दिलचस्प तौर पर टेलोमियरों की तुलना जूत के तस्मों (फीतों) के प्लास्टिक या हल्की धातु से मढ़े सिरों से की जा सकती है। यह तुलना इस नाते सटीक है, क्योंकि उनका मढ़ा होना उनके सिरों को उखड़ने या आपस में चिपकने से बचाता है, जो आनुवांशिक जानकारी को नष्ट या अस्तव्यस्त होने का कारक बन सकता है। इसका अगला महत्वपूर्ण पहलू यह है कि किसी भी कोशिका के विभाजन की स्थिति में टेलोमियर छोटे हो जाते हैं। उनके अधिक छोटा होने पर कोशिका विभाजित नहीं हो पाती और निष्क्रिय या मृत हो जाती है। यह छोटा होने की प्रक्रिया उम्र बढ़ने, कैंसर और मृत्यु के उच्च जोखिम से जुड़ी हुई है। इसी के चलते टेलोमियर को 'बम-फ्यूज' भी कहा जाता है। टेलोमियर एक तरह की सुरक्षा प्रणाली भी है। यदि ये टोपी-संरचनाएं नहीं होतीं, तो गुणसूत्र आपस में जुड़ अथवा टकरा सकते थे, जिससे आनुवांशिक खाके के दूषित होने, उसमें खराबी या विकार आने अथवा अपघात या मृत्यु होने का खतरा था। यहां हम टेलोमियर को सिर पर रखी पाग या पगड़ी के तौर पर समझ सकते हैं। यदि वे न हों तो ऐसी दिक्कतें स्वाभाविक हैं कि कोशिकायें विभाजित होना बंद कर दें या फिर असमय या समय पूर्व मर जायें। प्रसंगवश, उल्लेखनीय है कि टेलोमेरेज नामक एंजाइम सिर और बेस को जोड़ने के साथ-साथ उसे घिसने से बचाने का भी काम करता है। कोशिकाओं के बारंबार विभाजन पर पर्याप्त एंजाइम नहीं बन पाता। फलत: टेलोमियर छोटे होते जाते हैं और कोशिकाएं बूढ़ी। यह शुक्राणु और अंडों में सक्रिय रहता है और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में जाता है। इस तरह जीवन चक्र में इसकी प्रभावी भूमिका है। उल्लेखनीय है कि कोशिका के कैंसरग्रस्त होने पर विभाजन की आवृत्ति बढ़ जाती है। फलत: टेलोमियर छोटे होते जाते हैं, जिसका अर्थ है मृत्यु। यकीनन टेलोमियर को मापना कैंसर का पता लगाने का एक तरीका हो सकता है। यही नहीं, यदि वैज्ञानिक टेलोमियर को 'थामने' का तरीका खोज लें तो वे कैंसर-कोशिकाओं को बूढ़ा करके अथवा उन्हें मरवाकर कैंसर से लड़ने में सक्षम हो सकते हैं।

बहरहाल, यह निर्विवाद है कि टेलोमियर समय के साथ सिकुड़ते हैं। उनका सिकुड़ना बुढ़ापे का बायस है। प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इसे रोका जा सकता है? खोज यही कहती है कि ऐसा मुमकिन नहीं है। हाँ, इसे धीमा किया जा सकता है। समय या उम्र के साथ इनका छोटा होना स्वाभाविक है किंतु कुछ उपाय हैं, जिन्हें बरतने से इनसे घटने को धीमा या नियंत्रित किया जा सकता है। इन उपायों में शामिल हैं- संतुलित आहार, आनुपातिक वजन, धूम्रपान का परित्याग पर्याप्त नींद, तनाव पर नियंत्रण और नियमित व्यायाम। टेलोमियर-आहार संरक्षण तालिका भी इसमें मदद कर सकती है। इसके अनुसार विटामिन सी, पोलीफीनॉल्स और एंथोसायनिंस युक्त पदार्थों का सेवन करना चाहिये। टेलोमियर की लंबाई का फलियों, नट्स, दुग्ध उत्पादों, फलों, कॉफी, फलों के शुद्ध रसों और समुद्री सिवारों से सीधा और सकारात्मक रिश्ता है। गुण-किरीटों का क्षति से बचाने के लिए जरूरी है कि रक्त मांस, अल्कोहल और संसाधित-मांस के सेवन से बचा जाये। टेलोमियर की सेहत का आहार और जीवनशैली से सीधा रिश्ता है। व्यक्ति को शर्करा के अधिक सेवन से भी बचना चाहिए। मिलेट या मोटे अनाज का सेवन टेलोमियर और प्रकारांतर से दीर्घायु के लिए लाभदायी है। अनुसंधान से यह प्रमाणित हुआ कि पश्चिमी आहार पद्धति लाभकारी नहीं है। इसके विपरीत विवेकसम्मत आहार पद्धति को अपनाया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि भूमध्य सागरीय आहार सर्वोत्तम है, जिसमें तरकारियों, फलियों, दालों (अपरिष्कृत) फलों, मछली, जैतून के तेल आदि को वरीयता दी जाती है। इससे टेलोमियर के घटने के साथ ही मृत्यु का जोखिम भी कम है। बहरहाल, दुनियाभर में अनुसंधान जारी है। टेलोमियर को जानने के बाद आपके लिये यह जरूरी है कि आप अपने टेलोमियर का ख्याल रखें।

- डॉ. सुधीर सक्सेना
(लेखक, समसामायिक विषायों पर लेखन करते हैं)

जॉब अलर्ट

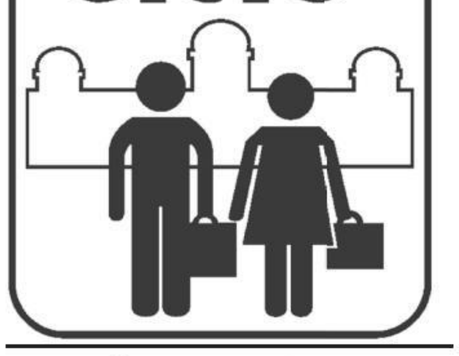

सीमा सुरक्षा संगठन
सामान्य रिज़र्व अभियंता बल

पद का नाम - प्रारूपकार, पर्यवेक्षक (प्रशासन), टर्नर, मशीनिस्ट, चालक यांत्रिकीय परिवहन, चालक रोड रोलर, प्रचालक उत्खनन मशीनरी
पदों की संख्या - 466
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 दिसंबर, 2024
वेब. - https://marvels.bro.gov.in

नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - सहायक प्रबंधक
पदों की संख्या - 25
योग्यता - मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ बीई या बीटेक की डिग्री
अंतिम तिथि - 27 दिसम्बर, 2024
वेबसाइट - https://www.nsic.co.in

महाराष्ट्र स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी

पद का नाम - टेक्नीशियन-3
पदों की संख्या - 800
योग्यता - मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित विषय में आई.टी.आई. का डिप्लोमा
अंतिम तिथि - 26 दिसम्बर, 2024
वेब. - https://www.mahagenco.in

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल

पद का नाम - प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 107
योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से संबंधित विषय में डॉक्टोरल डिग्री तथा अन्य योग्यताएं
अंतिम तिथि - 26 दिसम्बर, 2024
वेबसाइट - https://cau.ac.in

कार्यालय मुख्य आयुक्त दिव्यांगजन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

पद का नाम - यंग प्रोफेशनल (लीगल), यंग प्रोफेशनल (एडमिनिस्ट्रेशन डिवीजन)
पदों की संख्या - 03
योग्यता - यंग प्रोफेशनल (लीगल) के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ कानून की स्नातक डिग्री (एल.एल.बी.) और यंग प्रोफेशनल (एडमिनिस्ट्रेशन डिवीजन) के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ एम.बी.ए. (एचआर) की डिग्री
अंतिम तिथि - 09 जनवरी, 2025
वेबसाइट - https://ccpd.nic.in

भारतीय प्रबंध संस्थान, शिलांग

पद का नाम - असिस्टेंट मैनेजर
पदों की संख्या - 03
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक की डिग्री
अंतिम तिथि - 06 जनवरी, 2025
वेबसाइट - https://www.iimshil-long.ac.in/careers

भारतीय स्टेट बैंक

पद का नाम - जूनियर एसोसिएट्स (कस्टमर सपोर्ट एंड सेल्स)
पदों की संख्या - 50
योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से स्नातक की डिग्री।
अंतिम तिथि - 27 दिसम्बर, 2024
वेबसाइट - https://sbi.co.in

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

पद का नाम - ग्रेजुएट अप्रेंटिस (सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन), डिप्लोमा अप्रेंटिस (सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन), ट्रेड अप्रेंटिस (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिक्स, कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट)
पदों की संख्या - 35
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 दिसम्बर, 2024
वेब. - https://www.aai.aero

आर्यभट्ट महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय

पद का नाम - सहायक प्राध्यापक
पदों की संख्या - 28
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 दिसम्बर, 2024
वेबसाइट - https://aryabhattacol-lege.ac.in

केंद्रीय विद्युत रसायन अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - वैज्ञानिक
पदों की संख्या - 28
योग्यता - रसायन शास्त्र/रसायन विज्ञान या अन्य समकक्ष विषय में पीएचडी की उपाधि उत्तीर्ण हो।
अंतिम तिथि - 31 दिसम्बर, 2024
वेबसाइट - https://scitarecruit.ce-cri.res.in

सीमा सुरक्षा बल

पद का नाम - खेल-कूद कोटा के अंतगर्त कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) पद पर खिलाड़ियों की भर्ती
पदों की संख्या - 148
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक या इसके समतुल्य तथा खेल-कूद से संबंधित अन्य योग्यताएं
अंतिम तिथि - 30 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://rectt.bsf.gov.in

रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - डिप्टी जनरल मैनेजर, चीफ मैनेजर, मैनेजर, डिप्टी मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर, ऑफिसर
पदों की संख्या - 74
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://recindia.nic.in

एडमिशन अलर्ट

भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता

पाठ्यक्रम का नाम - पी.एच.डी कार्यक्रम
योग्यता- किसी भी विषय में प्रथम श्रेणी मास्टर या 2 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ तीन वर्ष की स्नातक डिग्री होना अनिवार्य है।
अंतिम तिथि - 30 जनवरी, 2025
वेबसाइट - https://www.iimcal.ac.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

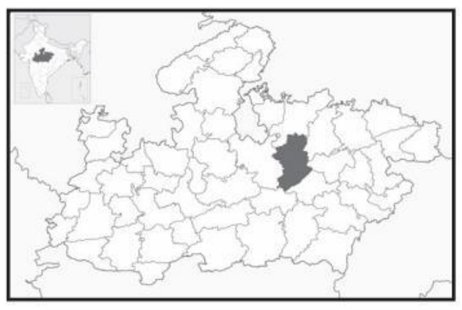

हमारा जिला - दमोह

ऐतिहासिक, पौराणिक और रानी दुर्गावती के बलिदान का साक्षी

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के 'हमारा जिला' स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले से आपको परिचित करवायेंगे। इस अंक में प्रस्तुत है दमोह जिले का परिचय-

दमोह जिला प्रदेश के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है। यह सागर संभाग में शामिल है। यह जिला पश्चिम में सागर, दक्षिण में नरसिंहपुर और जबलपुर, उत्तर में छतरपुर, पूर्व में पन्ना और कटनी से घिरा हुआ है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार दमोह शहर का नाम राजा नल की पत्नी दमयंती से लिया गया है। सल्तनत काल में दमोह मालवा प्रांत (सूबा) का हिस्सा था। इस नगर में शिव, पार्वती एवं विष्णु की मूर्तियों सहित कई प्राचीन प्रतिमाएं हैं। शहर में एक महत्वपूर्ण पशु बाजार है। यहां कई छोटे उद्योग जैसे बुनाई, रंगाई और मिट्टी के बर्तन बनाने का काम होता है।

इतिहास

दमोह का इतिहास बहुत प्राचीन है। सिंग्रामपुर में मिले पौराणिक काल के पाषाण हथियार इस बात का साक्ष्य हैं कि यहां करोड़ों वर्ष पहले से मानव सभ्यता रही है। 5वीं शताब्दी में यह पाटलीपुत्र के भव्य एवं शक्तिशाली गुप्त साम्राज्य का हिस्सा था। इसके साक्ष्य जिले के विभिन्न स्थानों पर पाए जाने वाले शिलालेख, सिक्के, (दुर्गा मंदिर) तथा अन्य वस्तुए हैं। इन वस्तुओं का संबंध समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त और स्कंन्दगुप्त के शासन काल से है। 8वीं शाताब्दी से 12वीं शाताब्दी के मध्य दमोह जिले का कुछ भाग चेदी साम्राज्य के अंतर्गत आता था। जिसमें कलचुरी राजाओं का शासन था और उनकी राजधानी त्रिपुरी थी।

ऐतिहासिक साक्ष्यों से पता चलता है कि दमोह जिले के कुछ क्षेत्र पर चंदेलों का शासन था जिसे जेजाक मुक्ति कहा जाता था। 14वीं शाताब्दी में दमोह पर मुगलों का आधिपत्य रहा है। ग्राम सलैया तथा बटियागढ़ में पाए जाने वाले पाषाण शिलालेखों में खिलजी और तुगलक वंश के शासन का भी उल्लेख है। बाद में मालवा के सुल्तान ने यहां शासन किया। 15वीं शताब्दी के आखिरी दशक में गौंड़ वंश के शासक संग्राम सिंह ने इसे अपने शक्तिशाली एवं बहुआयामी साम्राज्य में शामिल किया जिसमें 52 किले थे। गौंडवाना साम्राज्य का यह समय क्षेत्र के लिए शांति और समृद्धि का समय था।

सिंग्रामपुर में रानी दुर्गावती मुगल बादशाह अकबर के सेनापति आसफ खान की सेना से साहस पूर्ण युद्ध करते हुए वीरगती को प्राप्त हुईं। उनका स्वत्व, स्वाभिमान और स्वराज के लिए समर्पण और साहस अद्वितीय है। इस क्षेत्र में बुंदेलों ने कुछ समय के लिए राज्य किया इसके बाद मराठों ने शासन किया। सन् 1888 में पेशवा की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने इस पर कब्जा कर लिया।

अंग्रेजों से भारत को स्वतंत्र कराने के लिए होने वाले स्वतंत्रता संग्राम में दमोह की सक्रिय भूमिका रही। हिडोरिया के ठाकुर किशोर सिंह, सिग्रामंपुर के राजा देवी सिंह, करीजोग के पंचम सिंह, गंगाधर राव, रघुनाथ राव, मेजवान सिंह, गोविंद राव, इत्यादि के कुशल नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ वर्ष 1857 की क्रांति में भाग लिया गया।

प्रमुख उत्पादन

धान - धान का मुख्य रूप से जिले के जबेरा, तेंदूखेड़ा, पटेरा और दमोह में उत्पादन होता है।

गेहूं - गेहूं जिला दमोह की प्रमुख फ़सल है। इसका दमोह के लगभग सभी ब्लॉक में उत्पादन होता है।

चना - चना जिले की मुख्य फसल है। इसका दमोह के लगभग सभी ब्लॉक में उत्पादन होता है।

ऐतिहासिक रुचि के स्थान

जटाशंकर - दमोह शहर की सीमा में स्थित जटाशंकर मंदिर एक प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल है। मंदिर में भगवान शिव की मूर्ति

विजराजमान है। धार्मिक महत्व के साथ-साथ जटाशंकर मंदिर प्राकृतिक सौन्दर्य के लिये भी प्रसिद्ध है। यहां लोग मंदिर की आलौकिक शान्ति और प्राकृतिक वातावरण का आनंद उठाने आते हैं और मंदिर में पूजा अर्चना भी करते हैं। मंदिर और जटाशंकर पहाड़ी का पुरातात्विक महत्व है।

नोहलेश्वर मंदिर - दसवीं शताब्दी के कलचुरी शासकों की स्थापत्य कला का उदाहरण है नोहटा का नोहलेश्वर मंदिर। यह शिव मंदिर नोहटा गांव से 01 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भगवान शिव को यहां महादेव एवं नोहलेश्वर के नाम से जाना जाता है। इसका निर्माण 950-1000 ई.वी. के आस-पास हुआ था। जानकारी के अनुसार इस मंदिर के निर्माण का काम चालुक्य वंश के कलचुरी राजा अवनी वर्मा की रानी ने करवाया था। नोहलेश्वर मंदिर 10वीं शताब्दी के कलचुरी साम्राज्य की स्थापत्य कला का एक बेजोड़ एवं महत्वपूर्ण नमूना है। यह मंदिर एक ऊचे चबूतरे पर बना है। इसमें पंचरथ, गर्भगृह, अन्तराल मण्डप एवं मुख मण्डप आदि भाग हैं।

गिरीदर्शन- यह स्थान दमोह से जबलपुर राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित है जो कि जबेरा से पांच किलोमीटर एवं सिंग्रामपुर से सात किलोमीटर कि दूरी पर हरे-भरे जंगलों से घिरी पहाड़ी पर है। यहां दो मंजिला रेस्ट हाऊस कम वाच टावर है। मुख्य सड़क से एक सकरी गली टेंक के किनारे से होती हुई रेस्ट हाऊस तक पहुंचती है। यहां ठहरने के लिए रिजर्वेशन दमोह के डी.एफ.ओ. ऑफिस से करवाया जा सकता है। यहां की छोटी पहाड़ी के रास्ते हरियाली और सुन्दर दृश्य देखे जा सकते हैं यहां से उगते हुए और ढलते हुए सूरज के दृश्य देखे जा सकते हैं। ये दृश्य रेस्ट हाऊस की छत से देख सकते हैं। रात के समय यहां जंगली पशु भी दिखाई देते हैं।

सिंगोरगढ़ का किला - सिंग्रामुपर से करीब छह किलोमीटर दूर सिंगोरगढ़ का किला स्थित है। इसका ऐतिहासिक महत्व है। राजा बाने बसोर ने एक बड़ा और मजबूत किला बनवाया था। 15वीं शताब्दी के अंत में राजा दलपत शाह और उनकी पत्नी रानी दुर्गावती यहां रहते थे। राजा दलपत शाह की मृत्यु के बाद रानी ने अकबर की सेना के सेनापति आसिफ खान से युद्ध किया था। यहां एक तलाब भी है। जो कमल के फूलों से भरा है। यह एक आदर्श पिकनिक स्पॉट है।

कुण्डलपुर - कुण्डलपुर जैन धर्म का एक ऐतिहासिक तीर्थ स्थल है। यह दमोह

शहर से 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कुंडलगिरी में है। कुण्डलपुर में पद्मासन में विराजे आदिनाथ की प्रतिमा है।

निदान कुण्ड - भैंसाघाट रेस्ट हाऊस से करीब आधा किलोमीटर दूर भैसा गांव से एक सड़क इस जलप्रपात के लिए जाती है। मुख्य सड़क से एक किलोमीटर की दूरी पर एक जलधारा 100 फीट की ऊचांई से काली चट्टान से नीचे गिरती है। इसे निदान कुण्ड कहते हैं। जुलाई से अगस्त माह में इस जलप्रपात में पानी बहुतायत से होता है। सितम्बर एवं अक्टूबर माह में नदी में पानी की कमी होने के कारण यह एक पिकनिक स्पाट बन जाता है। यहां चट्टानों पर सीढ़ीनुमा आकार बना है। जब जलधारा इनके ऊपर से नीचे गिरती है तो यहां बहुत सुन्दर दृश्य दिखाई देता है।

सद्भावना शिखर - यह विध्यांचल पर्वत श्रृंखला का सबसे ऊंचा स्थान है। भैंसा-कालूमर सड़क से एक सड़क जंगल के बीच से पहाड़ पर जाती है, यहां से नीचे देखने पर अत्यंत सुंदर दृश्य दिखाई देता है। इस चोटी की ऊंचाई समुद्र तल से 2467 फीट है। रात के समय यहां से जबलपुर शहर की रोशनी देखी जा सकती है। इस चोटी पर चढ़ना बहुत कठिन है।

बांदकपुर - बांदकपुर जिले का एक छोटा सा शहर है। यह भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिर- जागेश्वर नाथ मंदिर के लिए

जाना जाता है। बसंत पंचमी और शिवरात्रि पर हर साल यहां बड़े मेले का आयोजन होता है। सोमवती अमावस्या पर यहां बहुत भीड़ होती है। मंदिर के विशाल प्रांगण में मुख्य मंदिर के अलावा राधा-कृष्ण, देवी दुर्गा, काल भैरव, भगवान विष्णु, देवी लक्ष्मी, देवी नर्मदा आदि के मंदिर हैं।

बुंदेली मेला - हर साल फरवरी के महीने में यहां एक सप्ताह का मेला आयोजित किया जाता है। आस-पास के लोग इस अवसर पर दमोह आते हैं और मेले का आनंद लेते हैं।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

अनस और डेक्लान की जोड़ी ने टेकबॉल चैम्पियनशिप में जीता कांस्य पदक

हो चिन मिन्ह सिटी, भारत के अनस बेग और डेक्लान गोंजाल्वेस की जोड़ी ने टेकबॉल विश्व चैम्पियनशिप में इतिहास रच दिया है। वियतनाम में खेली गई इस चैम्पियनशिप में भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक जीता है। इस चैम्पियनशिप में भारत का यह पहला पदक है। प्रतियोगिता में अनस और डेक्लान की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को थाइलैंड के सोरासाक थाओसिरी और जिराती चानलियांग की जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही अनस और डेक्लान की जोड़ी ने कांस्य पदक जीत लिया। उल्लेखनीय है कि इस चैम्पियनशिप में 95 देशों के कुल 221 खिलाड़ियों ने पांच अलग-अलग कैटेगरी में हिस्सा लिया।

महिला हॉकी जूनियर एशिया कप

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

मस्कट, भारत की युवा महिला हॉकी टीम ने महिला हॉकी जूनियर एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है। ओमान में खेले गए इस टूर्नामेंट के बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने चीन को पेनाल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। भारत ने लगातार दूसरी बार यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता है।

फाइनल मुकाबले में चीन की टीम ने शुरुआत में बेहतरीन खेल दिखाया और भारतीय टीम को दबाव में ला दिया। मैच का दूसरा क्वार्टर खत्म होने से ठीक पहले (30वें मिनट में) चीन को पेनाल्टी कॉर्नर मिला जिसे टैन जिनजुआंग गोल में तब्दील करने में सफल रहीं। मैच में हाफ टाइम तक 1-0 से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में जबरदस्त वापसी की। मैच के 41वें मिनट में भारत की कनिका सिवाच ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को बराबरी दिलाई।

इसके बाद दोनों टीमों ने गोल करने के कई मौके बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद मैच अतिरिक्त समय में गया। अतिरिक्त समय में भी स्कोर वही रहा और मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ। शूटआउट में भारत के लिए पहला गोल साक्षी राणा ने किया। साक्षी ने अपने पहले प्रयास को गोल में तब्दील किया। साक्षी के अलावा मुमताज खान और सुनेलिता टोप्पो ने भी गोल किए, जबकि इशिका और कनिका सिवाच गोल करने में असफल रहीं। वहीं चीन के लिए हाओ गुओटिंग तथा लियु टांगजी ही गोल कर सकीं।

- टूर्नामेंट में भारत की दीपिका सेहरावत ने सबसे ज्यादा 12 गोल किए।
- भारत ने दूसरी बार जीता है महिला हॉकी एशिया कप।
- भारत ने इससे पहले वर्ष 2023 में भी जीता था यह खिताब।
- भारत वर्ष 2012 में उपविजेता रहा था, तब चीन ने जीता था खिताब।
- दक्षिण कोरिया ने चार बार और चीन ने तीन बार जीता है यह टूर्नामेंट।

गोलकीपर निधि का दमदार प्रदर्शन

फाइनल मुकाबले में भारत की गोलकीपर निधि का प्रदर्शन बेहद लाजवाब रहा वह गोल के सामने मतबूत दीवार बनकर डटी रहीं। निधि ने मैच के दौरान कई बार विपक्षी टीम के हमलों को नाकाम किया और गोल होने से बचाए। पेनाल्टी शूटआउट में भी निधि ने चीन के खिलाफ तीन पेनाल्टी स्ट्रोक को नाकाम किया।

मणिका बत्रा की टीम एशिया बनी चैम्पियन

ओस्लो, भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मणिका बत्रा की टीम एशिया ने वाल्डनर कप का खिताब जीत लिया है। टीम एशिया ने खिताबी मुकाबले में टीम वर्ल्ड को 14-10 से हराया। यह टूर्नामेंट पहली बार आयोजित किया गया है। टीम एशिया में मणिका बत्रा के अलावा चीन के मा लोंग, ओलंपिक चैम्पियन चेन मेंग, दक्षिण कोरिया के शिन यु बिन और कजाकिस्तान के किरिल गेरासिमेंको भी शामिल थे।

गिलेस्पी ने पाकिस्तान टीम के कोच पद से दिया इस्तीफा

कराची, पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट टीम के मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। गिलेस्पी दक्षिण अफ्रीका में खेली जाने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम के चयन में सलाह नहीं लिए जाने के बाद नाराज थे। गिलेस्पी को इस वर्ष अप्रैल में पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था, उनका कार्यकाल वर्ष 2026 तक के लिए था। गिलेस्पी ने कहा कि संवादहीनता के कारण मुझे लगने लगा था कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को मेरी जरूरत नहीं है। गिलेस्पी से पहले मुख्य कोच गैरी कर्स्टर्न ने भी अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले इस्तीफा दे दिया था।

फीफा पुरस्कार

विनिसियस जूनियर बने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर

दोहा, फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा ने वर्ष 2024 के वार्षिक पुरस्कार घोषित कर दिए हैं। समारोह में ब्राजील के युवा फुटबॉलर विनिसियस जूनियर को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर चुना गया है। रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले विनिसियस ने इस पुरस्कार की दौड़ में रोड्री और जूड बेलिंघम को पछाड़ा।

इस पुरस्कार के लिए विनिसियस ने 48 अंक हासिल किए जबकि इस वर्ष बेलोन डि'ओर पुरस्कार विजेता रोड्री 43 अंक हासिल कर सके। समारोह में रियल मैड्रिड के कोच एंसेलोटी को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कोच चुना गया। एंसेलोटी के मार्गदर्शन में रियल मैड्रिड ने इस वर्ष ला लीगा और स्पेनिश सुपर कप का खिताब जीता है।

- विनिसियस जूनियर फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने वाले पहले ब्राजीलियन फुटबॉलर हैं।
- विनिसियस ने रियल मैड्रिड के लिए 190 मैच खेले हैं और 57 गोल दागे हैं।
- स्पेन की ऐटाना बोनामाटी को मिला वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर पुरस्कार।

भारत करेगा एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की मेजबानी

नई दिल्ली, भारत वर्ष 2025 में पहली बार विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। यह जानकारी भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने वर्ष 2025 के लिए एथलेटिक्स के प्रतियोगिता कैलेंडर को जारी करते हुए दी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने बताया कि कॉन्टिनेंटल टूर विश्व एथलेटिक्स के तत्वावधान में ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिताओं की वार्षिक सीरीज है। यह प्रतिष्ठित डायमंड लीग के बाद एथलेटिक्स की अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय प्रतियोगिताओं का दूसरा टियर है। यह प्रतियोगिता भारतीय खिलाड़ियों के लिए सितंबर 2025 में आयोजित होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप से पहले घरेलू सरजमीं पर अपनी क्षमता दिखाने का अच्छा अवसर होगा। उन्होंने बताया कि भारत में वर्ष 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय परमिट मीट के बाद यह पहली वैश्विक एथलेटिक्स प्रतियोगिता होगी। भारत ने वर्ष 2004 में नई दिल्ली में विश्व हाफ मैराथन चैम्पियनशिप की मेजबानी की थी।

रविचंद्रन अश्विन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

ब्रिस्बेन, भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 38 वर्षीय अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया में खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच के बाद अचानक क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया।

अश्विन को सीरीज के दूसरे मैच में खेलने का मौका मिला था, लेकिन उनका प्रदर्शन साधारण रहा। अश्विन ने ब्रिस्बेन टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर के तौर पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों में यह मेरा आखिरी दिन था।

अश्विन ने भारत के लिए 106 टेस्ट मैच, 116 वन-डे और 65 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 537 विकेट लिए हैं, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 6 शतक और 14 अर्धशतकों की बदौलत 3503 रन भी बनाए हैं। अश्विन ने 156 वन-डे और 72 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय विकेट भी लिए हैं।

ब्रिस्बेन टेस्ट मैच हुआ ड्रॉ

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिस्बेन में खेला गया तीसरा मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। वर्षाबाधित इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए जबकि भारतीय टीम पहली पारी में 260 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 7 विकेट खोकर 89 रन बनाए और भारत को 275 रनों का लक्ष्य दिया, लेकिन भारत की दूसरी पारी के दौरान बारिश के कारण मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया।

- टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में अश्विन (537) सातवें स्थान पर हैं।
- अश्विन भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। अश्विन से ज्यादा अनिल कुंबले (619) ने विकेट लिए हैं।

सैमी तीनों फॉर्मेट के लिए बने वेस्टइंडीज के मुख्य कोच

गुयाना, वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व कप्तान डेरेन सैमी को राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। बोर्ड के निदेशक माइल्स बासकॉम्ब ने बताया कि सैमी तीनों फॉर्मेट में टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभायेंगे। उन्होंने बताया कि सैमी अभी वेस्टइंडीज की वन-डे और ट्वेंटी-20 क्रिकेट टीम के कोच हैं, वहीं आंद्रे कोले टेस्ट टीम के मुख्य कोच हैं। सैमी अप्रैल 2025 से टेस्ट टीम के भी मुख्य कोच बन जाएंगे। सैमी के मार्गदर्शन में वेस्टइंडीज ने अब तक 35 में से 20 ट्वेंटी-20 मैच जीते हैं। इसके अलावा वह अपनी कप्तानी में वेस्टइंडीज को दो बार आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप का खिताब जिता चुके हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

मुंबई ने दूसरी बार जीता खिताब

बेंगलुरु, बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर मुंबई ने घरेलू क्रिकेट की सबसे बड़ी ट्वेंटी-20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में मुंबई ने मध्यप्रदेश को पांच विकेट से हराया।

मैच में मुंबई ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी मध्यप्रदेश की टीम की शुरुआत खराब रही। मुंबई के गेंदबाजों ने शानदार शुरुआत करते हुए 6 रन के स्कोर पर 2 विकेट लेकर मध्यप्रदेश की टीम को दबाव में ला दिया। इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार ने पारी को संभाला। रजत ने 40 गेंदों में 81 रनों की नाबाद पारी खेली, इस पारी के दौरान रजत ने 6 चौके और इतने ही छक्के लगाए। रजत के अलावा शुभ्रांशु सेनापति ने 23, राहुल बाथम ने 19 तथा वेंकटेश अय्यर ने 17 रन की पारी खेली। मध्यप्रदेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 174 रन बनाए।

जीत के लिए मिले 175 रनों का विशाल स्कोर मुंबई के बल्लेबाजों के सामने बेहद साधारण लगा। पृथ्वी शॉ (10) और श्रेयस अय्यर (16) के जल्द आउट होने के बाद दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (37) और सूर्यकुमार यादव (48) ने पारी को संभाला और तेजी से रन बटोरे। इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद सूर्यांश सेज और अथर्व अंकोलेकर ने तूफानी बल्लेबाजी कर 17.5 ओवरों में ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

- मुंबई ने दूसरी बार जीती है सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी।
- मुंबई ने इससे पहले वर्ष 2022 में भी जीता था यह खिताब।
- मध्यप्रदेश की टीम दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी और दोनों बार उपविजेता रही।
- तमिलनाडु ने सबसे ज्यादा 3 बार जीता है यह खिताब।

नीरज की जर्सी

एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल

मोनाको, एथलेटिक्स की सर्वोच्च संस्था विश्व एथलेटिक्स ने भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की जर्सी को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया है। नीरज ने यह जर्सी पेरिस ओलिंपिक के दौरान पहनी थी। विश्व एथलेटिक्स ने कहा कि भारतीय भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा उन 23 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिनकी प्रतियोगिता कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया गया है।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहा कि नीरज ने विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह के लिए अपनी जर्सी दान में दे दी है। नीरज के अलावा यूक्रेन की यारोस्लावा महुचिख और डोमिनिका की थिया लाफोंडा ने भी अपनी कलाकृतियां विरासत संग्रह के लिए दान में दी हैं।

- नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलिंपिक में रजत पदक जीता था।
- नीरज ने टोक्यो ओलिंपिक में जिस भाले से स्वर्ण पदक जीता था, वह ओलिंपिक संग्रहालय में रखा है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख जनरल पार्क एन-सु गिरफ्तार

दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख जनरल पार्क एन-सु को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर अल्पकालिक मार्शल लॉ लागू करने में मुख्य भूमिका निभाने का आरोप है। पार्क को विद्रोह में मुख्य भूमिका निभाने और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप में अदालत से वारंट के बाद गिरफ्तार किया गया। इस मामले में पहले पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून, डिफेंस काउंटर इंटेलिजेंस कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल येओ इन-ह्यंग, आर्मी स्पेशल वार फेयर कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल क्वाक जोंग-क्यून और लेफ्टिनेंट जनरल ली कैपिटल, डिफेंस कमांड के प्रमुख जिन-वू को गिरफ्तार किया जा चुका है।

वानुआतु में भूकंप से तबाही

दक्षिण प्रशांत महासागर में वानुआतु के तट पर 7.3 तीव्रता का भूकंप आया है। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र वानुआतु के सबसे बड़े शहर पोर्ट विला से 30 किलोमीटर पश्चिम में 57 किलोमीटर की गहराई पर था। इसी स्थान के पास 5.5 तीव्रता का आफ्टरशॉक भी आया। भूकंप बहुत तेज होने की वजह से वानुआतु सरकार की वेबसाइट भूकंप के बाद बंद हो गईं। वानुआतु 80 द्वीपों का एक समूह है, जहां लगभग 3,30,000 लोग रहते हैं।

जॉर्डन में भी विद्रोह का खतरा

सीरिया में बशर अल असद की सरकार गिरने के बाद पूरे पश्चिम एशिया में हालात तेजी से बदले हैं। कई देश इसे अपने लिए भी एक खतरे की घंटी की तरह देख रहे हैं। इन देशों में जॉर्डन भी शामिल है। जॉर्डन पर इसलिए दुनिया का ध्यान ज्यादा गया है क्योंकि इज़राइल के दो अहम अधिकारी, शिन बेट प्रमुख रोनन बार और आईडीएफ मिलिट्री इंटेलिजेंस प्रमुख मेजर जनरल श्लोमी बिंदर ने जॉर्डन का दौरा किया है। माना जा रहा है कि सीरिया के बाद जॉर्डन में कोई अस्थिरता ना हो इस पर देश के राजा अब्दुल्ला द्वितीय काम कर रहे हैं, जिसमें उन्हें अमेरिका और इज़राइल से मदद मिल रही है। इज़राइली मीडिया में यह भी कहा गया है कि जॉर्डन की राजशाही को अस्थिर करते हुए देश की जमीन का इस्तेमाल इज़राइल के खिलाफ करने के लिए ईरान कोशिश कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर लोकसभा को किया संबोधित

अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन करें, तो हमें विकसित भारत बनाने से कोई नहीं रोक सकता- प्रधानमंत्री

- हमारा संविधान भारत की एकता का आधार है।
- वर्ष 2014 में जब एनडीए को सरकार बनाने का मौका मिला तो लोकतंत्र और संविधान को मजबूती मिली।
- गरीबों को मुश्किलों से मुक्ति दिलाना भारत सरकार का सबसे बड़ा मिशन और संकल्प है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर लोकसभा में विशेष चर्चा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान भारत की आजादी के तुरंत बाद सभी अनुमानित संभावनाओं और उसके बाद की चुनौतियों पर नियंत्रण पाकर हम सभी को आज विकास की ओर ले आया। उन्होंने कहा कि भारत का नागरिक संविधान निर्माताओं द्वारा परिकल्पित संवैधानिक मूल्यों को सफलतापूर्वक अपनाने और जीवन जीने में हर कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा कि इसलिए यह नागरिक ही हैं, जो सही अर्थों में सभी प्रशंसाओं के अधिकारी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने कभी भी इस विचार का समर्थन नहीं किया कि भारत का जन्म 1947 में हुआ है या संविधान 1950 से लागू होगा, बल्कि वे भारत और इसके लोकतंत्र की महान परंपरा तथा विरासत पर विश्वास एवं गर्व करते थे। उन्होंने कहा कि भारत का लोकतांत्रिक एवं गणतांत्रिक अतीत हमेशा समृद्ध और दुनिया के लिए प्रेरणादायक रहा है।

महिलाओं को मतदान का अधिकार दिया गया

प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान सभा में पंद्रह सम्मानित और सक्रिय महिला सदस्य थीं और उन्होंने अपने मौलिक विचार, दृष्टिकोण देकर संविधान का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया को और मजबूत किया। उन्होंने कहा कि महिला सदस्यों द्वारा दिए गए सारगर्भित सुझावों का संविधान पर गहरा प्रभाव पड़ा। साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के कई अन्य देशों की तुलना में भारत में आजादी के समय से ही महिलाओं को मतदान का अधिकार दिया गया और कई देशों को यह अधिकार देने में दशकों लग गए। उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा में विशेष चर्चा को संबोधित करते हुए

भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता के दौरान महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का दृष्टिकोण दुनिया के सामने रखा।

140 करोड़ देशवासियों का साझा संकल्प है

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तेज गति से प्रगति कर रहा है। जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। यह सुनिश्चित करना 140 करोड़ देशवासियों का साझा संकल्प है कि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र हो। इस संकल्प को हासिल करने के लिए भारत की एकता सबसे महत्वपूर्ण आधार है। हमारा संविधान भारत की एकता का आधार भी है। इसको याद करते हुए कि संविधान निर्माण की प्रक्रिया में महान स्वतंत्रता सेनानी, लेखक, विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद् और अन्य विविध क्षेत्रों के पेशेवर शामिल थे, वे सभी भारत की एकता के प्रति बेहद ही संवेदनशील थे।

प्रधानमंत्री ने गिनाये 11 संकल्प

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहला संकल्प है कि चाहे नागरिक हो या सरकार, सभी को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। दूसरा संकल्प है कि हर क्षेत्र, हर समाज को विकास का लाभ मिले। तीसरा संकल्प है कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस हो। चौथा संकल्प है कि देश के नागरिकों को देश के कानून, देश के नियमों और देश की परंपराओं का पालन करने में गर्व हो। पांचवां संकल्प है कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति मिले। छठवां संकल्प है कि देश की राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्त किया जाए। सातवां संकल्प है कि संविधान का सम्मान किया जाए। आठवां संकल्प है कि संविधान की भावना को ध्यान में रखते हुए जिन लोगों को आरक्षण मिल रहा है, उनसे आरक्षण नहीं छीना जाए। नौवां संकल्प, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास में भारत दुनिया के लिए मिसाल बने। दसवां संकल्प, राज्य के विकास से देश का विकास और ग्यारहवां संकल्प, एक भारत-श्रेष्ठ भारत का लक्ष्य सर्वोपरि हो।

ग्रीस के तट पर शरणार्थियों को ले जा रही नाव डूबी

ग्रीस में क्रेते द्वीप के दक्षिण में शरणार्थियों को ले जा रही नौका डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई वहीं कई लोग लापता हैं। तटरक्षक बल ने बताया कि चार खोज एवं बचाव अभियानों में 200 से अधिक लोगों को बचाया गया। तटरक्षक बल के अनुसार चार अभियान शुरू हुए जिसमें से एक अब भी जारी है। नाव में कई पाकिस्तानी नागरिक सवार थे, जो अवैध रूप से ग्रीस के रास्ते यूरोप में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

क्रेते के दक्षिण में गावडोस द्वीप के पास नौका डूबने की अलग-अलग घटनाओं के बारे में सूचना मिलने के बाद तीन अभियान शुरू किए गए जिनमें से एक अब भी जारी है और चौथा अभियान दक्षिणी पेलोपोनिज क्षेत्र में शुरू किया गया। तटरक्षक बल ने बताया कि तलाश अभियान में 39 लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें क्रेते ले जाया गया। तटरक्षक बल ने बताया कि कुल नौ जहाज बचाव कार्य में लगे हुए हैं साथ ही दो हेलीकॉप्टर की भी बचाव कार्य में मदद ली जा रही है। गावडोस के तट पर अन्य दो अभियानों में क्रमशः 47 और 89 लोगों को बचाया गया। ये अभियान पूरे हो चुके हैं। वहीं पेलोपोनिज से 28 शरणार्थियों को बचाया गया।

अंतरिक्ष में मिला धूमकेतु जैसा ग्रह

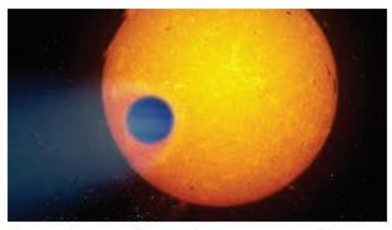

पृथ्वी के करीब एक एलियन वर्ल्ड है, जिसने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। दरअसल एक ग्रह है, जिसकी धूमकेतु की तरह पूंछ है। यह पूंछ इतनी विशाल है कि इसमें 40 पृथ्वी आ सकती हैं। यह ग्रह अपने तारे के बेहद करीब है। विशेषज्ञों का कहना है कि पूंछ जैसी दिखने वाली यह विशाल संरचना इस एक्सोप्लैनेट के वायुमंडल से लीक होने वाली गैस से बनी है। इसे तारकीय हवाओं के जरिए उड़ाया जा रहा है, जिसे विंड सॉक कहा जाता है।

इस एक्सोप्लैनेट का नाम WASP-69 b है जो एक गैसीय ग्रह है। इसका आकार लगभग बृहस्पति के समान है, लेकिन इसका द्रव्यमान एक तिहाई से भी कम है। पृथ्वी से यह 160 प्रकाश वर्ष दूर है। यह अपने तारे के बेहद करीब हैं। इसी कारण यह 3.9 दिनों में अपने सूर्य की परिक्रमा कर लेता है। इस धूमकेतु की खोज वर्ष 2014 में हुई थी।

चंद्रमा पर क्रैश लैंडिंग के लिए 108 देशों की छात्राएं बनाएंगी सैटेलाइट

तमिलनाडु के चेन्नई में स्पेस किड्ज नामक स्टार्टअप वर्ष 2026 तक एक चंद्र मिशन की योजना बना रहा है। इस मिशन का नाम शक्तिसैट रख गया है। इसमें केवल महिला वैज्ञानिकों को शामिल किया जाएगा। खास बात यह है कि वैज्ञानिकों के साथ 108 देशों से कक्षा 8वीं और 9वीं की छात्राएं भी काम करेंगी। शक्तिसैट का उद्देश्य चंद्रमा की सतह पर सैटेलाइट की क्रैश लैंडिंग कराना है। इसके लिए 80 किलो के पेलोड वाला सैटेलाइट बनाया जाएगा, जिसमें ऑर्बिटर, लैंडर और प्रोपल्शन मॉड्यूल शामिल होगा। इस मिशन की अनुमानित लागत 67 से 84 करोड़ रुपये है। वर्ष 2023 में स्पेस किड्ज के आजादीसैट मिशन में सरकारी स्कूलों की 750 छात्राओं ने 8 किलो का सैटेलाइट बनाया था।

12 हजार छात्राएं 120 घंटे की ऑनलाइन क्लास लेंगी

स्पेस किड्ज जनवरी से 108 देशों की 12 हजार छात्राओं को सैटेलाइट तकनीक सिखाने के लिए कार्यक्रम शुरू करेगा। इसमें छात्राएं 120 घंटे की ऑनलाइन क्लास में हिस्सा लेंगी। सभी देशों से सितंबर या अक्टूबर में एक-एक छात्रा को चुनकर भारत लाया जाएगा, जो सैटेलाइट बनाने में वैज्ञानिकों की मदद करेंगी।

रूस के परमाणु सुरक्षा प्रमुख की बम विस्फोट से मौत

रूस के परमाणु हथियारों की सुरक्षा करने वाली फोर्स के प्रमुख वरिष्ठ रूसी जनरल इगोर किरिलोव की मॉस्को में हत्या कर दी है। रूस की जांच समिति ने कहा है कि मॉस्को में एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाए गए बम से उनकी हत्या की गई। लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव रूस के परमाणु, जैविक और रासायनिक बलों के प्रमुख थे। उन्हें क्रेमिलिन से 7 किलोमीटर दूर दक्षिण पूर्व में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के बाहर निशाना बनाया गया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।